आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शुक्रवार 13 मार्च 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 116
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

शादी की दावत का स्वाद फीका पड़ने का खतरा

पेज-2

'नमो रे' गाने का नया पोस्टर

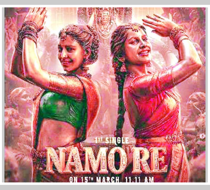

पेज-5

बिजासन टेकरी पर सरकारी कब्जे हटाए जाएं

पेज-6

समालखा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक आज समालखा, हरियाणा में प्रारम्भ हुई। बैठक का शुभारम्भ सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन कर किया।

4,400 करोड़ का लक्ष्य, अभी तक 3,600 करोड़ की वसूली

आरटीओ को वित्तीय वर्ष में 5,700 करोड़ राजस्व वसूली का टारगेट मिला था, शासन ने 1,300 करोड़ कम किया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

ग्वालियर • प्रदेश सरकार के कमाऊ पूत परिवहन विभाग को वित्तीय वर्ष में मिले 4,400 करोड़ (प्रदेश सरकार ने 5700 करोड़ रुपए राजस्व लक्ष्य दिया था, जिसे घटाकर 4,400 करोड़ किया) के राजस्व लक्ष्य की पूर्ति के लिए 22 दिन (31 मार्च 2026 तक) अब 800 करोड़ रुपए की दरकार है। विभाग ने अभी तक 3,600 करोड़ राजस्व जुटा लिया है। सरकार द्वारा राजस्व लक्ष्य में से 1,300 करोड़ रुपए कम किए जाने की मुख्य वजह जीएसटी में कमी और इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स से 4 फीसदी टैक्स हटना है। विभाग को रेवेन्यू टारगेट को पूरा करने के लिए हर दिन 36 करोड़ राजस्व जुटाना होगा। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि रेवेन्यू टारगेट पूरा कर

लिया जाएगा, क्योंकि केंद्र सरकार से नेशनल परमिट के 200 करोड़ रुपए मिलेंगे और अभी वित्तीय वर्ष खत्म होने में कुछ दिन बाकी है, इन दिनों बिकने वाले वाहनों से टैक्स प्राप्त होगा। बता दें कि विभाग वर्ष 2024-25 में मिले 5,500 करोड़ के राजस्व लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाया था।

ग्वालियर मेले से 105.44 करोड़ रुपए राजस्व मिला : परिवहन विभाग को ग्वालियर व्यापार मेले से 105.44 करोड़ रुपए राजस्व मिला है। मेले उज्जैन मेले से 150 करोड़ रिकॉर्ड 33158 वाहन बिके। राजस्व मिलने की संभावना है। विभाग के आयुक्त उमेश जोगा ने आरटीओ अफसरों को बस और ट्रक ऑपरेटर्स से बकाया टैक्स जमा कराने के निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर के आदेशों को बनाया मज़ाक, पीड़ित को दे रहे हैं तारीख पर तारीख

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ज़िले के देपालपुर क्षेत्र में एक बार फिर यह सवाल गूंज रहा है क्या कानून सिर्फ़ गरीबों के लिए है, और ताकतवरों के लिए तारीख़ों का खेल? यहां के निवासी किसान जगदीश पंवार पिछले तीन वर्षों से न्याय की भीख नहीं, बल्कि अपना वैधानिक हक़ मांग रहे हैं। लेकिन अफ़सोस- उन्हें इंसाफ़ नहीं, सिर्फ़ 'अगली तारीख़' थमाई जा रही है।

कलेक्टर ने दिखाई संवेदनशीलता-जनसुनवाई में मामला पहुंचा तो कलेक्टर शिवम वर्मा ने पीड़ित की बात सुनी और तत्काल संबंधित अधिकारियों को फोन पर फटकार लगाई उन्होंने पीड़ित मां की हालत देखकर आर्थिक सहायता भी दी।

तीन साल से घिसटता न्याय, फलता-फूलता भ्रष्टाचार-पीड़ित किसान जगदीश अपनी बुज़ुर्ग मां रामकन्या बाई के साथ बीते मंगलवार जनसुनवाई में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने वर्ष 2023 से 2026 तक की पूरी दस्तावेज़ी कहानी सामने रखी। जगदीश ने साफ़ बताया 'मेरे काका सालिग्राम ने विभागीय सांठ-गांठ से हमारी पुश्तैनी ज़मीन को अपनी पत्नी के नाम फर्जी तरीके से नामांतरण करवा लिया। बिना कर्ज चुकाए, बिना कानूनी प्रक्रिया पूरी किए। इस पूरे खेल में कंप्यूटर ऑपरेटर, राजस्व अमला और कथित खरीददार-सब शामिल बताए गए।

एफआईआर भी हुई, लेकिन आरोपी आज़ाद-मामला जब ज़्यादा बढ़ा, तो तत्कालीन एसडीएम रवि वर्मा ने जांच कर धोखाधड़ी की धाराओं में एफआईआर दर्ज कराने के आदेश दिए। पुलिस जांच में आरोपी भी तय हुए। नामजद एफआईआर भी हुई, लेकिन सवाल ये है—आज तक एक भी गिरफ्तारी क्यों नहीं?

कोर्ट का स्टे, फिर भी खुलेआम लूट-न्यायालय ने जगदीश के पक्ष में स्टे दे दिया। कानूनन ज़मीन पर कब्ज़ा उन्हीं का है, फिर भी पटवारी, गिरदावर, तहसीलदार की रिपोर्ट में काका का 'कब्ज़ा' लिख दिया गया।

न्यूज ब्रीफ

- ईरान ने किया एयरक्राफ्ट करियर 'अब्राहम लिंकन' पर मिसाइल अटैक का दावा; US बोला- खतरा किया नाकाम
- तालिबान की पाकिस्तान को धमकी... इस्लामाबाद, कराची और क्वेटा पर हमले की चेतावनी
- पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के काबुल, कंधार समेत कई हिस्सों में की एयरस्ट्राइक
- शेयर मार्केट धड़ाम... निफ्टी 300 अंक गिरा, सेंसेक्स 800 अंक लुढ़का
- पीएम मोदी आज से असम दौरे पर होंगे
- राहुल गांधी आज लखनऊ में कांशीराम जयंती कार्यक्रम में होंगे शामिल
- सोनिया गांधी की नागरिकता से जुड़ी अर्जी पर आज होगी सुनवाई
- रूसी कच्चे तेल को अमेरिका की मंजूरी के बाद तेल की कीमतों में गिरावट आई
- ईरानी शासन में दरार, अधिकारी पद छोड़कर अन्य देशों में मांग रहे शरण : इजरायल का दावा

35 नेताओं ने संभाला मोर्चा, चुनाव ड्यूटी की बन रही सूची

असम, बंगाल में कमल खिलाने इलेक्शन मैनेजमेंट संभालेंगे प्रदेश के बीजेपी नेता

नई दिल्ली (एजेंसी) • पश्चिम बंगाल और असम में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में भगवा परचम फहराने के लिए भाजपा हाईकमान ने मध्यप्रदेश के नेताओं को इस बार भी महत्वपूर्ण जवाबदारी सौंपी है। पार्टी ने असम के अलग-अलग क्षेत्रों में इलेक्शन मैनेजमेंट के लिए मप्र के 30-35 वरिष्ठ नेताओं की ड्यूटी लगाई है। बंगाल के लिए नेताओं का चयन किया जा रहा है। संभावना है कि प्रदेश के वरिष्ठ नेता एवं मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को बंगाल चुनाव में फिर महत्वपूर्ण भूमिका मिल सकती है।

असम और बंगाल चुनाव में इस बार भाजपा बदली हुई रणनीति के साथ मैदान में है। चुनावी मैदान में माइक्रो मैनेजमेंट के साथ बूथ पर फोकस किया गया है। मप्र, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा को इलेक्शन मैनेजमेंट के इस मॉडल से सफलता मिल चुकी

है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि बंगाल में इस बार चुनावी बाजी पलटने की पूरी तैयारी के साथ भाजपा मैदान में है।

विजयवर्गीय की संभावना-ममता के दुर्ग में सेंध लगाने भाजपा ने बंगाल में इस बार अपने वरिष्ठ नेता भूपेंद्र यादव को चुनाव प्रभारी और बिप्लब देब को सह प्रभारी बनाया है। 2021 में बंगाल की चुनावी कमान संभाल चुके मप्र के वरिष्ठ नेता एवं नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को इस बार भी इलेक्शन मैनेजमेंट से जुड़ी महत्वपूर्ण जवाबदारी सौंपने की संभावना जताई जा रही है। केंद्रीय नेतृत्व से इस बारे में उनकी मुलाकातें भी हो चुकी हैं।

ये नेता पहुंचे असम

सांसद : *आलोक शर्मा भोपाल, दर्शन सिंह नर्मदापुरम, बंटी विवेक साहू छिंदवाड़ा एवं कविता पाटीदार (सदस्य, राज्यसभा)। अशोक अर्गल और केपी यादव (पूर्व सांसद)।*

पूर्व विधायक : *गिरिराज दंडोतिया, कमलेश जाटव, भूपेंद्र आर्य, संजय शाह एवं रघुराज कंषाना। विनोद गोटिया (पूर्व अध्यक्ष पर्यटन विकास निगम)।*

भाजपा संगठन ने इनके अलावा चुनावी प्रबंधन और समन्वय के लिए संदीप सरकार, नाथू सिंह गुर्जर, श्याम सुंदर शर्मा और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हमीर सिंह सहित अन्य कई नेताओं की ड्यूटी भी लगाई है।

कार्यकर्ताओं में जोश फूंकने के लिए पटवारी कर रहे हैं दौरे

पंचायत स्तर तक के कार्यकर्ता जुटेंगे, चार विधानसभा क्षेत्रों में सम्मेलन और बैठकें

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी कांग्रेस संगठन पर जमीन स्तर पर मजबूत करने के लिए इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्र की चार विधानसभाओं में दौरे कर रहे हैं। इस दौरान वे चार विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ता सम्मेलन और बैठकों में शामिल हो रहे हैं। इन बैठकों में पंचायत स्तर तक के कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया है। इन बैठकों के माध्यम से ब्लॉक स्तर के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें संगठन के कार्यों की समीक्षा की जाएगी और आगामी रणनीति को लेकर कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया जाएगा।

देपालपुर में होगा दौरे का समापन-दौरे के अंतिम दिन 14 मार्च को देपालपुर विधानसभा क्षेत्र में बैठकें आयोजित की जाएंगी। बेटमा ब्लॉक की बैठक बियानी होटल में, देपालपुर ब्लॉक

की बैठक सालासर कॉलेज के सामने इंदौर रोड पर, गौतमपुरा ब्लॉक की बैठक सांवरिया गार्डन चंबल रोड गौतमपुरा में तथा हातोद ब्लॉक की बैठक मारुतिधाम पिपलिया तफा रोड जम्बूर्डी हप्सी में होगी। गौरतलब है कि संगठन सृजन के तहत कांग्रेस संगठन में ब्लाक लेबल तक नियुक्ति हो चुकी है। हालांकि अभी शहर और जिले की कार्यकारिणी का गठन होना शेष है। सूत्रों के अनुसार प्रदेश संगठन में आला नेताओं के बीच इस बात को लेकर गंभीरता से विचार उठ रहा है कि संगठनात्मक नियुक्तियों के बावजूद भी कार्यकर्ताओं में जो जोश दिखाई देना चाहिए था, वह मैदान में दिखाई नहीं दे रहा है। इसी के लिए प्रदेश संगठन ने प्रदेश स्तर के आला नेताओं को अलग-अलग क्षेत्रों में दौरे करने के निर्देश जारी किए, जिसके तारतम्य में मालवा-निमाड़ में जीतू पटवारी कार्यकर्ताओं में जोश जगाने के लिए ब्लाक स्तर की बैठक लेंगे। अब कांग्रेस की इस कवायद का कार्यकर्ताओं पर क्या असर होगा, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा, किन्तु दो दशक के सत्ता से विमुखी कांग्रेस के लिए कार्यकर्ताओं की यह बेरूखी आगामी चुनाव की दृष्टि से नकारात्मक साबित हो सकती है।

एलपीजी की कमी से स्विगी जोमैटो पर ऑर्डर घटे

■ दिन में 30 नहीं, 5 ऑर्डर मिल रहे; रेस्टोरेंट बंद

नई दिल्ली (एजेंसी) • ईरान-अमेरिका जंग के बीच भारत में कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की किल्लत का असर फूड इंडस्ट्री पर भी दिखने लगा है। कई शहरों में रेस्टोरेंट और क्लाउड किचन गैस की कमी से जूझ रहे हैं। इस वजह से स्विगी और जोमैटो जैसे फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर ऑर्डर कम हो रहे हैं। गिग वर्कर्स बताते है कि अब दिन के ऑर्डर 30 से घटकर सिर्फ 5-10 रह गए है, क्योंकि रेस्टोरेंट में मैन्यू बहुत छोटा हो गया है या रेस्टोरेंट बंद हो गए हैं। रोटी, डोसा, और पूरी जैसे ज्यादा गैस की खपत वाले फूड को मैन्यु से हटा दिया गया है। इसलिए लोग अपने पसंद का खाना ऑर्डर नहीं कर पा रहे हैं। गिग एंड प्लेटफॉर्म सर्विस वर्कर्स यूनियन का कहना है कि, जोमैटो और स्विगी जैसे प्लेटफार्मों पर फूड डिलिवरी ऑर्डर 50-60% कैंसल हो रहे है। ऐसे वक्त मे कई डिलीवरी पार्टनर जो पहले ज्यादा डिलीवरी करके ज्यादा कमाई करते थे अभी केवल दिन में चार-पांच ही डिलीवरी कर रहे हैं जिसके कारण उनके सामने भी आर्थिक संकट खड़ा हो रहा है।

एग्जाम सेंटर पर जन्मे बच्चे का पिता कौन... मंगेतर और प्रेमी के बीच उलझी पुलिस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मध्य प्रदेश का औद्योगिक केंद्र पीथमपुर इन दिनों एक ऐसी घटना से सुर्खियों में है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान है। ये घटना 24 फरवरी की है। 10वीं की बोर्ड परीक्षा के दौरान गणित के सवालों में उलझी एक 17 वर्षीय छात्रा ने स्कूल के वॉशरूम में एक बच्चे को जन्म दिया। इस घटना को 15 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी भी कई सवालों का जवाब नहीं मिला है। पुलिस उस आरोपी की तलाश कर रही है जिसने नाबालिग को इस हालत में लाकर छोड़ दिया। वह नाबालिग का प्रेमी बताया जाता है। वहीं मामले में एक पेंच ये भी है कि परिवार ने नाबालिग की सगाई कर दी थी। ऐसे में बच्चे का असली पिता कौन है? इसे लेकर असमंजस बना है, इसलिए पुलिस डीएनए टेस्ट का सहारा लेगी। फिलहाल बच्चा इंदौर की एक संस्था के पास है।

जब वॉशरूम से गूंजी नवजात की किलकारी-24 फरवरी को पीथमपुर के प्रतिष्ठित सेंट जॉन स्कूल में 10वीं बोर्ड परीक्षा चल रही थी। गणित का पेपर था और परीक्षा हॉल में स्टूडेंट पेपर हल करने में बिजी थे। छात्रों के बीच पीथमपुर के शासकीय कन्या हाईस्कूल की एक 17 वर्षीय छात्रा भी थी। परीक्षा के दौरान छात्रा को पेट में असहनीय दर्द महसूस हुआ। उसने पर्यवेक्षक का ध्यान अपनी ओर खींचा और वॉशरूम जाने की इजाजत मांगी। वह वॉशरूम चली गई। समय बीतता गया। पंद्रह मिनट तक नहीं लौटी तो पर्यवेक्षक को चिंता हुई। उन्होंने एक महिला कर्मचारी को वॉशरूम जाकर देखने को कहा। महिला कर्मचारी जब वॉशरूम के पास पहुंची, तो दरवाजा अंदर से बंद था। उसने दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

अफरा-तफरी और मेडिकल इमरजेंसी-स्कूल प्रबंधन ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए बिना एक पल गंवाए 108 एम्बुलेंस और बेटमा थाना पुलिस को सूचित किया। कुछ ही मिनटों में एम्बुलेंस और पुलिस की टीम स्कूल पहुंच गई। मेडिकल टीम ने तेजी से छात्रा और नवजात का प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण किया। दोनों की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें तुरंत पीथमपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद, डॉक्टरों ने बेहतर देखभाल के लिए उन्हें धार के जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

नए विक्रम संवत्सर के राजा देव गुरु बृहस्पति और मंत्री मंगल होंगे

■ 13 माह का है नया हिंदू नववर्ष, रौद्र संवत्सर होगा नाम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • चैत्र माह की शुक्ल प्रतिपदा से हिंदू नववर्ष की की शुरुआत होती है। साल 2026 में यह तिथि 19 मार्च को पड़ रही है। इस बार का संवत्सर कई मायनों में खास माना जा रहा है, 19 मार्च से प्रारंभ हो रहे विक्रम संवत 2083 को रौद्र संवत्सर के नाम से जाना जाएगा। रौद्र शब्द का मतलब उग्र होता है, इसलिए यह नया वर्ष उतार-चढ़ाव, असंतुलन और महंगाई जैसी स्थितियों भरा हो सकता है। इसके अलावा इस वर्ष के राजा देव गुरु बृहस्पति होंगे। साथ ही इस संवत्सर में 13 महीने का होगा। पंचागों एवं ज्योतिषियों के अनुसार नया विक्रम संवत 2083 19 मार्च को प्रारंभ होगा। इस दिन गुरुवार होने के कारण इस वर्ष के राजा गुरु बृहस्पति होंगे। इसके अलावा मंत्री पद ग्रहों के सेनापति मंगल ग्रह को प्राप्त होगा। रौद्र संवत्सर होने के कारण यह वर्ष तनाव भरा हो सकता है, वर्षा सामान्य से कम हो सकती है। साथ ही संघर्ष की स्थिति बनी रहेगी। नए संवत्सर के साथ इसी दिन से चैत्र नवरात्रि की भी शुरुआत होगी और महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में गुड़ी पाड़वा का पर्व भी मनाया जाएगा।

क्या है रौद्र संवत्सर-विक्रम संवत 2083 का नाम रौद्र रहेगा। ज्योतिष में प्रत्येक वर्ष का एक विशिष्ट नाम होता है, जो उसके संभावित स्वभाव और परिणामों का संकेत देता है। इस बार नववर्ष का आरंभ उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में होगा और उस समय शुक्ल योग के साथ मीन लग्न रहेगा। रौद्र शब्द का अर्थ तीव्र या उग्र प्रवृत्ति से जुड़ा माना जाता है। इसी आधार पर यह अनुमान लगाया जाता है कि वर्ष के दौरान प्राकृतिक, सामाजिक या राजनीतिक स्तर पर उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

नमन का चयन अभा अंतर विश्वविद्यालयीन ताइक्वांडो दल में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर की ताइक्वांडो पुरुष दल दिनांक 16 मार्च से 20 मार्च तक अंतर विश्विद्यालय ताइक्वांडो पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन डी ए व्ही विश्विद्यालय जालंधर पंजाब में किया जा रहा है। मां कनकेश्वरी देवी शासकीय महाविद्यालय इंदौर के प्राचार्य मेजर डॉ. संजय सोहनी एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ बबीता अग्रवाल ने बताया कि महाविद्यालय के लिए अत्यंत हर्ष का अवसर है कि इस प्रतिष्ठित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन ताइक्वांडो पुरुष दल में महाविद्यालय के बीकॉम तृतीय वर्ष के छात्र नमन बर्फा का चयन किया गया है ।नमन जालंधर में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर का प्रतिनिधित्व करेंगे।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य मेजर डॉ. संजय सोहनी एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ स्मिता चैतन्य एवं संपूर्ण शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ एवं डॉ सुधीर चंदेल प्रभारी निदेशक शारीरिक शिक्षा देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर द्वारा नमन के चयन पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस दल के प्रबंधक श्री हर्ष गौसर क्रीड़ा अधिकारी इंदौर इंस्टिट्यूट ऑफ़ लॉ रहेंगे।

पंपकर्मी की मौत का आरोपी हीरानगर का निकला

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर के कजलाना में पेट्रोल पंप कर्मचारी की जान लेने वाले आरोपी की पहचान हो गई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी हीरानगर इलाके का रहने वाला है। कई किलोमीटर के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पुलिस टीम उसकी तलाश में हीरानगर तक पहुंची। पुलिस ने आरोपी के पिता को गुरुवार हिरासत में लिया है, जबकि आरोपी कार लेकर फरार है। सांवेर पुलिस के मुताबिक घटना 11 मार्च की शाम करीब 4 बजे ग्राम कजलाना स्थित शिवलाल पटेल एंड सन्स पेट्रोल पंप, चारपाई ढाबा के पास की है। यहां एक ग्रे रंग की कार का चालक डीजल भरवाने के बाद बिना पैसे दिए वहां से भाग गया था। पेट्रोल पंप पर काम करने वाले रोहित (22) पुत्र शंकरलाल परमार निवासी मालीखेड़ी ने कार को रोकने की कोशिश की।

15 मार्च को राज्य स्तरीय मैत्री कार्यकर्ता/गौ सेवक सम्मेलन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में 'समृद्ध किसान, समृद्ध प्रदेश' की थीम के साथ वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाने से आगे बढ़कर पशुपालन एवं डेयरी उद्यमिता को लाभकारी, टिकाऊ और तकनीक आधारित रोजगार सृजन मॉडल के रूप में विकसित करना है। प्रदेश में डेयरी को उद्यमिता से जोड़ते हुये कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के विकास और रोजगार सृजन पर विशेष फोकस रहेगा।

22 तक गार्डन-होटल फुल, बड़े आयोजनों में बढ़ी चिंता

रसोई गैस सिलेंडर संकट से इंदौर में शादी की दावत का स्वाद फीका पड़ने का खतरा

- ईद बाद मुस्लिम समाज में भी बढ़ी संख्या में है शादी
- कैटरर्स मेनू में कटौती और वैकल्पिक साधनों के सहारे संभाल रहे व्यवस्था

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर में गैस सिलेंडर की कमी का असर अब शादी समारोहों पर भी दिखाई देने लगा है। मार्च में शुरू हुए शादी के सीजन के बीच सिलेंडर की किल्लत ने कैटरिंग व्यवसाय से जुड़े लोगों की मुश्किल बढ़ा दी हैं। हालात ऐसे बन रहे हैं कि कई आयोजनों में मेनू में बदलाव या व्यंजनों की संख्या कम करनी पड़ सकती है। शहर में 22 मार्च तक अधिकांश मैरिज गार्डन, होटल और बैंक्वेट हॉल पहले से बुक हैं। हर दिन बड़ी संख्या में शादियां और रिसेप्शन हो रहे हैं। लेकिन सिलेंडर की सीमित उपलब्धता के कारण बड़े पैमाने पर खाना तैयार करना कैटरर्स के लिए चुनौती बनता जा रहा है। वहीं 21 मार्च को ईद के बाद मुस्लिम समाज में भी बढ़े पैमाने पर शादी है। गैस की किल्लत से सभी की चिंताएं बढ़ गई हैं।

ज्यादा मेहमानों वाली शादियों में ज्यादा परेशानी-कैटरर्स के मुताबिक सबसे ज्यादा परेशानी उन आयोजनों में हो रही है जहां 800 से 1000 या उससे अधिक मेहमानों को आमंत्रित किया गया है। ऐसे आयोजनों में भोजन तैयार करने के लिए बड़ी संख्या में गैस सिलेंडर की जरूरत होती है। मौजूदा हालात में पर्याप्त सिलेंडर मिलना मुश्किल हो रहा है, जिससे व्यवस्थाएं प्रभावित होने लगी हैं। स्थिति को देखते हुए कई कैटरर्स अब ऐसे मेनू तैयार कर रहे हैं जिनमें कम गैस की खपत हो। तंदूर और ज्यादा समय लेने वाले पकवानों की जगह ऐसे व्यंजन शामिल किए जा रहे हैं जिन्हें जल्दी तैयार किया जा सके। कुछ आयोजनों में आइटम की संख्या भी कम करने पर विचार किया जा रहा है।

इस तरह तैयार किया जा रहा है मेनू: कैटरर्स और जिनके घरों में शादी है मिलकर ऐसा मेनू बना रहे हैं, जिसमें गैस का कम से कम उपयोग हो जैसे स्टाल में चिल्ड तरबूज, फ्रूट चाट, पानी पतासे, बर्फ का गोला, गुड़िया के बाल, दही वाड़ा, पान आदि को शामिल करने को मजबूर हो रहे हैं। साथ ही स्वीट में भी आमखंड, श्रीखंड जैसी मिठाइयों को शामिल कर रहे हैं। वहीं प्रशासन ने होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग व्यवसाय से जुड़े लोगों को अस्थायी तौर पर डीजल भट्टी, इंडक्शन और इंफारेड इलेक्ट्रिक कॉइल जैसे वैकल्पिक साधनों का उपयोग करने की सलाह दी है। हालांकि कैटरर्स का कहना है कि बड़े आयोजनों में इन विकल्पों से पूरी व्यवस्था संभालना आसान नहीं है। कैटरर्स की जुबानी: लखपति कैटरिंग के संचालक ने बताया कि एक बड़े आयोजन में 20 से 30 सिलेंडर तक लग जाते हैं। अभी सिलेंडर समय पर नहीं मिल रहे हैं, इसलिए हमें मेनू को थोड़ा सीमित करना पड़ सकता है। अमित चौधरी, इवेंट कैटरर का कहना है कि हम कोशिश कर रहे हैं कि कम गैस में बनने वाले व्यंजन शामिल करें, लेकिन शादी में मेहमानों की उम्मीदें भी काफी रहती हैं, इसलिए संतुलन बनाना चुनौती बन गया है।

एक शादी में इतनी गैस

- 500 मेहमान करीब 10 से 12 सिलेंडर
- 800 से 1000 मेहमान 15 से 20 सिलेंडर
- बड़े आयोजन 35 से 40 सिलेंडर तक

ऐन मौके पर मेनू बदलने को हुए मजबूर

रियाज खान, इनके बेटे की शादी का रिसेप्शन 28 मार्च को, गैस की किल्लत को देखते हुए ऐन मौके पर पूरा मेनू बदलना पड़ा। वहीं एडवोकेट अब्दुल रेहमान की बेटी की शादी का रिसेप्शन 27 मार्च को, ऐन मौके पर कैटरिंग वाले ने गैस का इंतजाम न होने से हाथ खड़े कर दिए। अब परेशान हो रहे हैं कि ऐन मौके पर क्या करें। कार्ड बट चुके हैं। गार्डन बुक हैं। काफी लोगों को एडवांस राशि दी जा चुकी है।

शादी उद्योग पर असर की आशंका

इंदौर में शादी समारोहों से जुड़ा कारोबार करोड़ों रुपये का है, जिसमें कैटरिंग, सजावट, गार्डन, होटल और इवेंट मैनेजमेंट से हजारों लोग जुड़े हैं। ऐसे में यदि सिलेंडर संकट लंबे समय तक जारी रहा तो इसका असर पूरे वेडिंग इंडस्ट्री पर पड़ सकता है।

अब 7 नहीं 4 जोन में बंटेंगी इंदौर की 10 हजार से अधिक ई-रिक्शा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर में आज ई-रिक्शा चालकों के साथ हुई पुलिस प्रशासन की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए... ई-रिक्शा चालकों की 7 जोनों को लेकर आपत्ति थी, जिस पर बीच का रास्ता यह निकला कि अब 4 जोनों में ई-रिक्शा के रुटों को बांटा जाएगा... इंदौर में करीब 10 हजार से अधिक ई-रिक्शा हो चुकी हैं... अब इन रिक्शाओं को चार रुटों में किस तरह से बांटा जाएगा, इसकी जानकारी सोमवार को प्रेस वार्ता के जरिए दी जाएगी... एक अनुमान है कि एक जोन में करीब ढाई से तीन हजार ई-रिक्शा शामिल किए जा सकते हैं..!

निर्माण कार्य प्रारम्भ करने की सूचना देना है अनिवार्य

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • श्रम विभाग द्वारा निर्माण स्थलों पर सुरक्षा एवं स्वस्थ कार्यस्थल बनाने और श्रमिकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत निर्माण स्थलों पर श्रमिकों के लिए सुरक्षा व्यवस्था एवं सुरक्षा अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। श्रम सेवा पोर्टल मोबाइल ऐप पर निर्माण स्थल का पंजीयन विवरण, कर्मचारियों की संख्या, स्थान (लोकेशन) सहित अन्य आवश्यक जानकारी एकत्र की जा रही है, जिस पर नियोजक श्रमिकों के लिए उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं की जानकारी दे सकते है। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण अधिनियम 1996 के प्रावधानों अनुसार किसी भवन या अन्य सनिर्माण कार्य प्रारंभ करने से कम से कम 30 दिन पूर्व उस क्षेत्र में, जहां प्रस्तावित भवन या अन्य सनिर्माण कार्य किया जाना है।

नेप्रा प्लांट में सूखे कचरे के पृथक्करण और प्रसंस्करण की प्रक्रिया भी देखी

ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंचे आयुक्त, कचरा प्रबंधन प्लांटों की व्यवस्था परखी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने गुरुवार सुबह देवगुराडिया स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड का औचक निरीक्षण कर कचरा प्रबंधन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अपर आयुक्त प्रखर सिंह सहित निगम के विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने ट्रेंचिंग ग्राउंड में संचालित बायो-सीएनजी प्लांट, नेप्रा प्लांट, स्वच्छता परी परिसर, सूखा कचरा निपटान प्लांट, ग्रीन वेस्ट प्लांट और लैंडफिल साइट का अवलोकन कर उनकी कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी ली। सबसे पहले आयुक्त ने बायो-सीएनजी प्लांट का निरीक्षण कर प्रतिदिन आने वाले गीले कचरे की मात्रा, वेटिंग प्रक्रिया, कचरे से गैस उत्पादन की तकनीक, मशीनों के संचालन और गैस वितरण व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने उन्हें गैस उत्पादन क्षमता और उसके उपयोग के बारे में भी अवगत कराया। इसके बाद उन्होंने स्वच्छता परी परिसर का निरीक्षण कर परिसर में लगाए गए पौधों के शत-प्रतिशत जीवित रहने के लिए नियमित देखभाल, खाद और सिंचाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने नेप्रा प्लांट में सूखे कचरे के पृथक्करण और प्रसंस्करण की प्रक्रिया भी देखी। इस दौरान उन्होंने प्रतिदिन आने वाले कचरे की मात्रा, कर्मचारियों की संख्या, उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधों तथा सी एंड डी वेस्ट के संग्रहण और प्रसंस्करण की जानकारी ली। साथ ही पेवर ब्लॉक निर्माण में इसके उपयोग को लेकर भी अधिकारियों से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने प्लांट और पूरे परिसर में साफ-सफाई, व्यवस्थित संचालन और बेहतर रखरखाव सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश भी दिए।

एमआयसी की बैठक : 2026-27 का बजट होगा बुनियादी सुविधाओं का मील का पत्थर

छोटा नेहरू स्टेडियम अब छत्रपति शिवाजी स्टेडियम कहलाएगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में नगर निगम के महापौर सभाकक्ष में मेयर इन कौंसिल (एमआईसी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर विस्तार से चर्चा की गई और कई अहम प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि नगर निगम का आगामी बजट शहर की मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने वाला मील का पत्थर साबित होगा। विकास कार्यों को गति देने के लिए हर जोन और वार्ड समिति को 10 लाख रुपये तक के विकास कार्यों का प्रावधान करने की स्वीकृति दी गई है। इसके साथ ही भविष्य में शहर के बाजारों के विकास के लिए पीपीपी और सीएसआर मॉडल पर काम करने की योजना पर भी चर्चा की गई। बैठक में तुलसी नगर पुलिया से निपानिया तक सड़क, सीवर चैंबर और स्टॉर्म वॉटर लाइन निर्माण के लिए 13 करोड़ 61 लाख रुपये के कार्य को भी मंजूरी दी गई। एक महत्वपूर्ण निर्णय में छोटा नेहरू स्टेडियम का नाम बदलकर छत्रपति शिवाजी स्टेडियम करने पर सहमति दी गई। इसके अलावा निगम स्वामित्व वाले नेहरू पार्क और महू नाका तरण पुष्कर के किराया, सदस्यता और अन्य शुल्क में वृद्धि के प्रस्ताव को भी सैद्धांतिक मंजूरी दी गई।

सौंदर्गीकरण प्रस्तावों को भी स्वीकृति-बैठक में नायता मुंडला आईएसबीटी परिसर में सीएसआर के माध्यम से सार्वजनिक सुलभशौचालय कॉम्प्लेक्स के निर्माण, शहर की सरवटे बेसमेंट पार्किंग, महाराजा कॉम्प्लेक्स बेसमेंट सहित अन्य पार्किंग के संचालन के लिए टेंडर जारी करने और शहर के फ्लायओवर व पुल-पुलियाओं के नीचे हरित क्षेत्र विकसित कर सौंदर्यीकरण करने के प्रस्तावों को भी सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, महापौर परिषद के सदस्य राजेंद्र राठौर, निरंजन सिंह चौहान, अश्विनी शुक्ल, अभिषेक शर्मा, नंदकिशोर पहाड़िया, राकेश जैन, राजेश उदावत, मनीष शर्मा, प्रिया डांगी सहित निगम के अपर आयुक्त और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

श्रीमती कंचन मानावत को सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सांई गंगोत्री विहार स्थित ज्ञानदीप भवन पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्य अतिथि सुषमा जी त्रिवेदी मानव अधिकार आयोग महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष एवं विशेष अतिथि अर्पण जी जोशी विश्व ब्राह्मण संघ महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष तथा ब्रह्माकुमारी सीमा बहन ने श्रीमती कंचन मानावत को सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रशस्ति पत्र एवं शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

इंदौर प्रेस क्लब में आज शक्ति सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर शहर एक बार फिर महिला शक्ति के सम्मान का साक्षी बनने जा रहा है। कलम की ताकत से समाज में बदलाव लाने वाली महिलाओं को सलाम करने के लिए इंदौर प्रेस क्लब एक भव्य समारोह आयोजित करने जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर होने वाला यह कार्यक्रम केवल एक सम्मान समारोह नहीं बल्कि उन महिलाओं के संघर्ष, साहस और उपलब्धियों का उत्सव है जिन्होंने पत्रकारिता और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अमिट पहचान बनाई है। जब महिलाएं कलम उठाती हैं तो शब्द सिर्फ खबर नहीं बनते, वे समाज की दिशा बदलने का साहस बन जाते हैं। इंदौर प्रेस क्लब एक बार फिर ऐसी ही प्रेरणादायक महिलाओं को सम्मानित करने जा रहा है, जिन्होंने अपनी लेखनी, अपनी बेबाकी और अपने साहस से पत्रकारिता की दुनिया में नई मिसाल कायम की है। आज इंदौर प्रेस क्लब में महिला पत्रकारों और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस बार कार्यक्रम में खास नवाचार लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड का भी किया गया है। इंदौर प्रेस क्लब प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शहर की उन महिलाओं को सम्मानित करता है जिन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इस वर्ष भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज एक भव्य समारोह आयोजित किया जा रहा है।

लोक अदालत में आओ, भारी भरकम छूट पाओ, ब्याज पर मिलेगी सौ फीसदी छूट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नेशनल लोक अदालत 14 मार्च शनिवार को आयोजित हो रही है। लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अन्य अनियमितताओं के प्रकरण को आपसी समझौते के माध्यम से हल किया जाएगा। विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135, 126 के अंतर्गत विद्युत चोरी के लंबित प्रकरणों एवं विशेष न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं से अपील की गई है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली जोन, वितरण केन्द्र, विजिलेंस कार्यालय से संपर्क करें। धारा 135, 126 के अंतर्गत विद्युत चोरी के बनाए गए लंबित प्रकरण एवं अदालत में लंबित प्रकरणों का निराकरण के लिए निम्न दाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवाट तक के गैर घरेलू एवं 10 हार्स पावर भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्रकरणों में ही छूट दी जाएगी। प्री-लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं 100 प्रतिशत ब्याज की राशि की छूट दी जाएगी।

लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर लगने वाले ब्याज पर 100 प्रतिशत राशि की छूट दी जाएगी। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि नेशनल लोक अदालत में छूट कुछ नियम एवं शर्तों के तहत दी जाएगी जो आंकलित सिविल दायित्व राशि 10 लाख रू. तक के प्रकरणों के लिए सीमित रहेगी। विद्युत कंपनी ने लोक अदालत में देय छूट का लाभ लेने एवं दर्ज प्रकरणों के समाधान की अपील की है। ऊर्जा विभाग द्वारा बिजली बिल के तीन माह या अधिक समय से पुराने बिल को जमा करने पर प्रभावी रूप से लागू समाधान योजना के तहत छूट पाने के लिए अब 31 मार्च अंतिम तिथि है। अब तक पश्चिम मप्र में 7.62 लाख के करीब उपभोक्ताओं ने 32 करोड़ रुपए की सरचार्ज माफी का लाभ लिया है। योजना के अंतर्गत 50 से 90 प्रतिशत सरचार्ज माफी मार्च अंत तक दी जा रही है।

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

इंदौर, शुक्रवार 13 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

आधुनिक कृषि को साथ लेकर आगे बढ़ना आवश्यक -पटेल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए स्वास्थ्य जागरूकता और आधुनिक कृषि पद्धतियों को साथ लेकर आगे बढ़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सिकल सेल एनीमिया जैसी आनुवांशिक बीमारी के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना, समय पर जांच और उपचार सुनिश्चित करना तथा किसानों को आधुनिक कृषि संसाधनों से जोड़ना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। राज्यपाल श्री पटेल गुरूवार को झाबुआ में अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया जागरूकता कार्यक्रम एवं कृषि उपकरण एवं बीज वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष रूप से जनजातीय समुदाय में सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इसके समय पर परीक्षण और उपचार के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर के तारतम्य में किसानों को कृषि उपकरण एवं बीज का वितरण भी किया गया।

सारस्वत ब्राह्मण महिला मंडल का गणगौर महोत्सव रविवार को सुरुचि गार्डन पर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सारस्वत ब्राह्मण महिला मंडल इंदौर का गणगौर महोत्सव रविवार 15 मार्च को दोपहर 12.15 बजे से स्कीम 71 रिंग रोड स्थित सुरुचि गार्डन (वीर वीरेन्द्र के पास) धूमधाम से मनाया जाएगा। मंडल की अध्यक्ष श्रीमती सरोज भण्डिया एवं मंत्री कृष्णा उपाध्याय ने बताया कि इस अवसर पर मंडल से जुडी बहनें माता गौरी, पार्वती, इसर और भगवान शिव को समर्पित भक्ति भाव से भरपूर प्रस्तुतियां देंगी और सौभाग्यवती सुहागन महिलाऐं अपने दाम्पत्य जीवन की सुख समृद्धि तथा कुंवारी कन्याएं मनचाहा वर पाने की कामना से यह व्रत करेंगी। कार्यक्रम स्थल पर फलाहारी भोजन के पश्चात अन्य प्रस्तुतियां होंगी। उत्सव के लिए श्रीमती सुनीता ओझा, उमा बोहरा, रत्ना पांडे, जया ओझा, चन्द्रकला ओझा, प्रतिभा ओझा, संगीता उपाध्याय एवं मीना तुगुनावत को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

माया के मकड़जाल से मुक्ति के लिए भगवान शिव की आराधना सबसे श्रेष्ठ : पं. शर्मा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शिव ऐसे देव हैं, जो हमें मुक्ति, गति और भक्ति भी प्रदान करते हैं। शिव पुराण की कथा मन पर पड़े माया के आवरण को हटाती है। माया का मोहपाश मनुष्य को जीवनभर भटकाता रहता है। माया के मकड़जाल से मुक्ति के लिए भगवान शिव की आराधना सबसे श्रेष्ठ मानी गई है क्योंकि शिव पुराण भी स्वयं भगवान द्वारा रचे गए शब्दों की ही ऐसी जनकल्याणकरी कृति है, जो दुर्लभ मनुष्य जीवन को सही दिशा में ले जाने का मार्ग प्रशस्त करती है।

वीवो Y51प्रो 5G हुआ लॉन्च

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • वीवो इंडिया ने आज अपने Y सीरीज़ में नया स्मार्टफोन वीवो Y51 प्रो 5G लॉन्च किया। नया Y51 प्रो उन यूज़र्स के लिए डिजाइन किया गया है जो स्मूथ और भरोसेमंद परफॉर्मेंस के साथ इमर्सिव एंटरटेनमेंट चाहते हैं। यह स्मार्टफोन ऐसा अनुभव देता है जो रोजमर्रा की तेज़ और बदलती दिनचर्या के साथ कदम मिलाकर चलता है।लंबे समय तक चलने वाली परफॉर्मेंस, स्मूथ मल्टीटास्किंग और रोजमर्रा के आसान इस्तेमाल पर खास ध्यान देते हुए यह डिवाइस वीवो की उस सोच को दिखाता है जिसमें वह ऐसे प्रैक्टिकल इनोवेशन लाना चाहता है जो प्रोडक्टिविटी और एंटरटेनमेंट दोनों में मदद करें और ङ्घ सीरीज़ के पोर्टफोलियो में लंबे समय तक वैल्यू दें।

छोटे शहरों में जाना नहीं चाहते डॉक्टर..

नहीं खुल पा रहे पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज 13 में से चार जिलों के लिए ही हो पाया एमओयू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सरकार छोटे जिलों में पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज खोलने की योजना पर आगे बढ़ रही है, लेकिन यह सफल होता नहीं दिख रहा। वजह- विशेषज्ञ डॉक्टर छोटे शहरों में जाने को तैयार नही हैं। नीमच, मंदसौर, सतना जैसे सरकारी मेडिकल कॉलेजों में ही प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के 50% पद रिक्त हैं।

दिसंबर 2024 में 13 जिलों में पीपीपी पर मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए टेंडर निकाला गया था। मार्च-अप्रैल 2025 के बीच तीन निवेशकों ने इसमें हिस्सा लिया लेकिन दो ने कॉन्सेप्ट को ही गलत ठहराते हुए बॉन्ड राशि वापस ले ली।

नतीजतन तीसरे निवेशक को धार, कटनी, पन्ना और बैतूल के लिए कॉन्ट्रेक्ट मिल गया। इनका शिलान्यास 23 दिसंबर 2025 को किया गया है। अशोकनगर, मुरैना, सीधी, गुना, बालाघाट, भिंड, टीकमगढ़, खरगोन और शाजापुर के लिए निवेशक आगे नहीं आए।

इससे मेडिकल कॉलेज के नंबर तो बढ़ेंगे लेकिन क्वालिटी से समझौता करना पड़ेगा। कर्नाटक में ये मॉडल अपनाया गया था लेकिन फीस, फैकल्टी संकट और नियंत्रण को लेकर बढ़े विवादों के बाद सिर्फ सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलने का निर्णय लिया गया।

सरकार का मानना रहा कि मेडिकल शिक्षा को मुनाफे के मॉडल पर नहीं छोड़ा जा सकता। मेघालय ने भी योजना से किनारा कर लिया है। केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में ऐसे कॉलेज बिकने की कगार पर हैं।

कॉलेज बढ़ेंगे, लेकिन चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर बहुत गंभीर असर होगा निर्णय से मेडिकल कॉलेजों की संख्या तो बढ़ेगी, लेकिन चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर गंभीर असर पड़ सकता है। निजी भागीदार का उद्देश्य व्यापार होता है न कि शिक्षा और शोध इसलिए सरकारी मेडिकल कॉलेज ही खोलने चाहिए। मेडिकल कॉलेज के लिए अनुभवी फैकल्टी, मजबूत अस्पताल, नियमित मरीजों का फ्लो व शोध वातावरण जरूरी होता है। डॉ. राकेश मालवीया, प्रदेश अध्यक्ष, प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन

कॉलेज संचालक बोले- फायदा सरकार का, नुकसान निवेशक का निजी कॉलेज संचालकों के अनुसार, पीपीपी मॉडल के तहत इन्फ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी, हॉस्टल, लैब और मशीनरी सब निवेशक को तैयार करना होता है, लेकिन फीस और सीटों से लेकर एडमिशन प्रक्रिया और जिला अस्पताल की सेवाओं तक हर फैसला सरकारी नीतियों से बंधा होता है। नुकसान हुआ तो पूरा जोखिम निवेशक का होता है, लेकिन फायदा सरकार के खाते में जाता है।

प्रदेश में सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही झूठी बातों से एचपीवी वैक्सीन लगवाने में डर रही किशोरियां

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सर्विकल कैंसर से बचाव के लिए सरकार द्वारा किशोरियों को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन निश्शुल्क लगाई जा रही है, लेकिन इंटरनेट मीडिया पर फैल रहे दुष्प्रचार के कारण कई किशोरियां और उनके अभिभावक वैक्सीन लगवाने से डर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने शहर में दो माह में 32 हजार किशोरियों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य तय किया है, लेकिन अभियान की धीमी शुरुआत हुई है। पहले 12 दिनों में केवल 840 किशोरियों को ही टीका लग पाया है। अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया पर कुछ रील और वीडियो तेजी से फैल रहे हैं, जिनमें दावा किया जा रहा है कि यह वैक्सीन लगवाने से भविष्य में बांझपन (इंफर्टिलिटी) हो सकता है। ऐसे भ्रामक दावों के कारण कई अभिभावक अपनी बेटियों को टीका लगवाने से मना कर रहे हैं। जिले में 35 वैक्सीनेशन सेंटर बनाए गए हैं, लेकिन काफी कम संख्या में किशोरियां आ रही हैं।

इंदौर में सनातन प्रीमियर लीग का उद्घाटन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर में शुरू हुई इस अनूठी क्रिकेट लीग को लेकर देवकीनंदन ठाकुर बेहद उत्साहित दिखे। खेल के जरिए युवाओं को जोड़ने का दावा करने वाले देवकीनंदन ठाकुर से जब क्रिकेट पर बात की, तो बड़े-बड़े 'शॉट्स' लगाए। जब उनसे पूछा गया कि इस पूरी लीग का मुख्य उद्देश्य या एजेंडा क्या है, तो उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में कहा-मेरा एक ही एजेंडा है। युवाओं को मिल जाए डंडा और झंडा। हर युवा चाहता है कि उसका करियर उसकी पसंद के क्षेत्र में बने। हमारा मकसद इन बच्चों का करियर बनाना है। महाराज का इशारा साफ था कि वे खेल के मैदान के जरिए युवाओं में धार्मिक गौरव और शारीरिक मजबूती (अनुशासन) दोनों भरना चाहते हैं। जब सवाल उठा कि बिना किसी फीस के इतना बड़ा आयोजन कैसे हो रहा है, तो महाराज ने मुस्कुराते हुए कहा- 'यह सब समाज के सहयोग से हो रहा है। अगर किसी समाजसेवी ने 100 रुपए कमाए हैं, तो हम उनसे हक से 5 रुपए मांग लेते हैं कि हमें इन बच्चों का भविष्य बनाना है। बस इसी जन-सहयोग से यह निर्माण हो रहा है।'

बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान में कार्यक्रम आयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान इंदौर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं के सशक्तिकरण, स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिला प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहायक श्रम आयुक्त मेघना भट्ट उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से अपने भविष्य को सशक्त बनाने के लिए प्रेरित किया।

मधुमेह एवं मोटापे से मुक्ति के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 14-15 को आनंद नगर में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मधुमेह एवं मोटापे जैसे रोगों से मुक्ति एवं राहत दिलाने के उद्देश्य से अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति, बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन एवं हेल्थ फॉर भारत फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में श्रीमती नीना देवी अग्रवाल की पुण्य स्मृति में चलाए जा रहे स्वास्थ्य परीक्षण अभियान के अंतर्गत तीसरा शिविर 14-15 मार्च को चितावद, नवलखा स्थित आनंद नगर गार्डन पर सुबह 8 बजे से आयोजित होगा। शिविर की तैयारियों को लेकर गुरुवार को मंगलमूर्ति नगर में क्षेत्र के रहवासियों की बैठक में विभिन्न व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दे दिया गया। अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद गोयल एवं बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन के प्रमुख विनोद अग्रवाल के मार्गदर्शन में शिविर की तैयारियों को लेकर मंगलमूर्ति नगर में शहर के नवलखा, शिवमोती एवं शिवमूर्ति नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख रहवासियों की बैठक में निश्चय किया गया कि पीड़ित मानवता की सेवा के लिए चलाए जा रहे इस अभियान का लाभ लेने के लिए समाज के ज्यादा से ज्यादा बंधुओं को प्रेरित कर शिविर में लाया जाए, ताकि समय रहते उन्हें समुचित चिकित्सा एवं परामर्श का निशुल्क लाभ मिल सके। अब तक अन्नपूर्णा मंदिर एवं अग्रसेन भवन पर सम्पन्न हो चुके दोनों शिविरों में करीब 2400 समाज बंधुओं ने 32 तरह की निशुल्क जांचों का लाभ उठाया है फलस्वरूप उन्हें समय रहते अपनी बीमारी की अवस्था के बारे में समुचित मार्गदर्शन मिल सकेगा।

महानगर अग्रवाल समाज इस वर्ष भी सभी समाजों के 22 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराएगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अपनी गौरवशाली परंपरा के अनुरूप इंदौर महानगर अग्रवाल समाज इस वर्ष भी विभिन्न समाजों के 22 युगलों का विवाह समारोह सोमवार, 16 मार्च को राजीव गांधी चौराहा स्थित शुभ कारज गार्डन पर आयोजित करने जा रहा है। ब्रह्मलीन समाजसेवी रमेशचंद्र अग्रवाल एवं कुंजीलाल गोयल की प्रेरणा से वर्ष 1980 से प्रारंभ की गई इस परंपरा में अब तक 525 से अधिक युगलों के विवाह संपन्न कराए जा चुके हैं। इस वर्ष भी जो 22 जोड़े इस सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होंगे वे पूरे प्रदेश के विभिन्न जिलों के अलावा पडोसी राज्यों के अन्य कस्बों से अपने परिजनों सहित इंदौर आएंगे। सभी युगलों को समाज के वरिष्ठ सेवाभावी बंधुओं के सौजन्य से गृहस्थी चलाने योग्य अनेक उपहार देकर विदा किया जाएगा। इंदौर महानगर अग्रवाल समाज की ओर से संयोजक अरविन्द बागड़ी, राजेश कुंजीलाल गोयल, नंदकिशोर कंदोई एवं अनिल अग्रवाल ने बताया कि प्रमुख संरक्षक गिरीश अग्रवाल, राजेश चेलावत एवं प्रमुख परामर्शदाता विनोद अग्रवाल, दिनेश मित्तल, सुनील-डॉ. दिव्या गुप्ता एवं प्रेमचंद गोयल, निर्मल रामरतन अग्रवाल, रामदास गोयल, पवन सिंघानिया, टीकमचंद गर्ग, नारायण अग्रवाल 420 पापड़वाले, रामबाबू अग्रवाल नेताजी, श्रीमती नीति-पुनीत अग्रवाल, विष्णु बिंदल एवं जगदीश बाबाश्री के मार्गदर्शन में सामूहिक विवाह की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। विवाह स्थल पर 22 लग्न मंडप, 22 यज्ञ वेदी एवं 22 तोरण तथा 22 पंडितों की व्यवस्था की जा रही है। समाजसेवी महेश मित्तल,वर्षा बंसल सहित समाज के सैकड़ों बंधुओं का सहयोग मिल रहा है। विवाह में शामिल युगलों को गृहस्थी चलाने योग्य उपहार भी भेंट किए जाएंगे।

रणजीत हनुमान और साईं बाबा के जयघोष तथा आरती की मंगल ध्वनि से गूंजता रहा समूचा द्रविड़ नगर क्षेत्र

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • रणजीत हनुमान, द्रविड़ नगर, उषा नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार को सुबह साईं बाबा के साथ रणजीत हनुमान के जयघोष और आरती की मंगल ध्वनि से समूचा क्षेत्र गूंजता रहा। श्री केंद्रीय सांई सेवा समिति के तत्वावधान में चल रहे 32 वें साईं बाबा महोत्सव में साईं बाबा की पालकी एवं प्रभात फेरी की शुरुआत सुबह रंगोली, दीप सज्जा, आतिशबाजी और मनोहारी भजन संकीर्तन पर नाचते गाते चल रही मातृशक्ति के साथ हुई। साईं भक्त तरुण केतके के द्रविड़ नगर स्थित निवास पर पूजा अर्चना के साथ प्रारंभ हुई इस यात्रा का पूरे क्षेत्र में घर-घर पुष्प वर्षा के साथ स्वागत हुआ। श्री केन्द्रीय सांई सेवा समिति के अध्यक्ष गौतम पाठक, प्रदीप यादव, तरुण केतके एवं समीर जोशी ने बताया कि साईं बाबा के जयघोष के उत्साहपूर्व माहौल में जैसे-जैसे प्रभात फेरी आगे बढती गई, रास्ते में मिलने वाले स्कूली बालक बालिकाओं के सिर श्रद्धा से बाबा की पालकी के समक्ष झुकने लगे। परीक्षा देने जा रहे बच्चे भी बाबा से प्रार्थना करते देखे गए। समूचे क्षेत्र को पालकी यात्रा के लिए रंगबिरंगी पताकाओं और अन्य सामग्री से सजाया गया था।

श्री आदिनाथ से महावीर यात्रा का शुभारंभ, स्कीम 78 से निकली भव्य प्रभातफेरी और शोभायात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • अंतर्मुखी मुनि पूज्य सागर महाराज के पावन सानिध्य में दिगंबर जैन सामाजिक संसद, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन और महावीर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में भगवान आदिनाथ से भगवान महावीर जयंती तक चलने वाली यात्रा और प्रभातफेरी का शुभारंभ गुरुवार को विजयनगर स्कीम नंबर 78 स्थित जिनालय से हुआ। फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत भव्य शोभायात्रा और प्रभातफेरी के साथ हुई, जिसमें भगवान आदिनाथ की प्रतिमा को आकर्षक रथ में विराजमान कर क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से निकाला गया। यात्रा के दौरान कई स्थानों पर स्थानीय जैन परिवारों ने मुनिश्री का पाद-प्रक्षालन कर रथ में विराजमान भगवान की आरती की और श्रद्धा भाव से स्वागत किया।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर, गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

सीबीएसई की डिजिटल फजीहत गणित के पेपर में QR कोड स्कैन करते ही बजने लगा गाना, बोर्ड की लापरवाही पर उठे सवाल

सीबीएसई 12वीं गणित के पेपर में क्यूआर कोड से जानकारी के बजाय 'रिक एस्टली' का गाना खुलने से बोर्ड की डिजिटल सुरक्षा पर सवाल उठे हैं। पिछले कुछ समय से हर क्षेत्र में डिजिटल प्रणाली को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसे पारदर्शिता और विश्वसनीयता का एक उपयोगी माध्यम भी बताया जाता है। मगर हाल ही में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की बारहवीं कक्षा के गणित के प्रश्नपत्र में छपे एक क्यूआर कोड से परीक्षा से संबंधित जरूरी जानकारियों के बजाय ब्रिटेन के गायक रिक एस्टली के एक चर्चित गीत का वीडियो खुल जाने से कई सवाल उठे हैं। बीते नौ मार्च को हुई इस परीक्षा के बाद प्रश्नपत्र की तस्वीरें चर्चा में आईं, तो स्वाभाविक रूप से इसको लेकर चिंता जताई गई। क्यूआर कोड में किसी गीत का वीडियो खुलना निस्संदेह लापरवाही का ही संकेत देता है। सवाल है कि समूचे प्रश्नपत्र को तैयार करते हुए जिस तरह हर बिंदुओं का ध्यान रखा जाता है, संबंधित क्यूआर कोड को लेकर भी सावधानी बरतना और जारी करने से पहले उसे एक बार जांच लेना जरूरी क्यों नहीं समझा गया। हालांकि मामले के तूल पकड़ने के बाद सीबीएसई ने सफाई दी कि प्रश्नपत्र की सुरक्षा में सेंध नहीं लगी है। मगर क्या सीबीएसई इस बात से इनकार कर सकती है कि प्रश्नपत्र में क्यूआर कोड के मामले में जिस तरह की लापरवाही बरती गई, उसकी वजह से सुरक्षा में सेंध लग सकती है? गौर करने वाली बात है कि परीक्षा देने गए विद्यार्थियों के सामने जब ऐसी स्थिति पैदा हुई होगी, तब उनकी क्या मन:स्थिति रही होगी? आमतौर पर क्यूआर कोड के उपयोग के बाद इसमें किसी भी तरह की गलती की गुंजाइश नहीं होती। अब इस समूचे मसले के सार्वजनिक चर्चा में आने के बाद परीक्षा के आयोजन और उसकी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठे हैं। एक ओर डिजिटल इंडिया के नारे के समांतर ज्यादातर क्षेत्रों में क्यूआर कोड के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है, वहीं इसमें बरती जाने वाली लापरवाही से लेकर इसके बेजा इस्तेमाल के बढ़ते मामले भी चिंताजनक हैं। ऐसी घटनाएं क्यूआर कोड की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाती हैं और इसके उपयोग के संबंध में पर्याप्त सजगता, प्रशिक्षण और सावधानी के तकाजे को रेखांकित करती हैं।

आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव के कारण तेल की कीमतों में उछाल आया, उपभोक्ताओं में घबराहट

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर अब भारत में भी दिखाई देने लगा है। ईरान से जुड़े युद्ध के बीच भले ही सरकार ने तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने की बात कही है, लेकिन देश के कई हिस्सों में एलपीजी की कमी से लोगों की परेशानी बढ़ रही है। हॉस्पिटैलिटी बॉडी AHAR (Indian Hotel and Restaurant Association) के मुताबिक आर्थिक राजधानी मुंबई में एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति घटने के कारण करीब 20 प्रतिशत रेस्टोरेंट बंद हो चुके हैं और यह आंकड़ा ज्यादा भी हो सकता है। संगठन का कहना है कि यदि यही स्थिति जारी रहती है तो अगले दो-तीन दिनों में लगभग 50 प्रतिशत तक खाने-पीने की दुकानें बंद हो सकती हैं। रेस्टोरेंट मालिकों का कहना है कि पिछले दो दिनों से कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर प्राप्त करने में उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

इसी तरह की समस्या बेंगलुरु और चेन्नई जैसे शहरों में भी सामने आ रही है। संगठन का कहना है कि यदि गैस की आपूर्ति जल्द सामान्य नहीं होती है तो यहां भी स्थिति गंभीर हो सकती है। बेंगलुरु में होटल मालिकों ने संकेत दिए हैं कि कॉमर्शियल एलपीजी की सप्लाई बाधित होने पर उन्हें अपने संचालन अस्थायी रूप से बंद करने पड़ सकते हैं, क्योंकि उनका काम पूरी तरह एलपीजी पर निर्भर है।

चंडीगढ़ में भी एलपीजी सप्लाई को लेकर हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं। गैस एजेंसी के गोदाम में बड़ी संख्या में कमर्शियल गैस सिलेंडर जमा पड़े हैं। कर्मचारियों के मुताबिक पिछले चार दिनों से कमर्शियल सिलेंडर की नियमित सप्लाई नहीं मिल रही है, जिसकी वजह से जो सीमित सिलेंडर आ रहे हैं, वे गोदाम में ही इकट्ठा हो रहे हैं। गोदाम में काम करने वाले कर्मचारी सोनू के अनुसार होटल और रेस्तरां संचालक लगातार सिलेंडर के बारे में पूछताछ कर रहे हैं, लेकिन फिलहाल सिलेंडर उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा घरेलू गैस की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है और कर्मचारियों का कहना है कि घरेलू एलपीजी की सप्लाई लगभग आधी रह गई है। इस स्थिति के कारण शहर में होटल, रेस्तरां और खाने-पीने के कारोबार से जुड़े लोगों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि उनका संचालन पूरी तरह गैस सिलेंडर की उपलब्धता पर निर्भर करता है।

भोपाल में भी ईरान से जुड़े युद्ध के बीच गैस की किल्लत का असर साफ दिखाई देने लगा है। यहां कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई रुकने और घरेलू सिलेंडर की बुकिंग के बीच 25 दिन का अंतर

अनिवार्य किए जाने से आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है। हालात ऐसे हैं कि गैस एजेंसियों के गोदामों के बाहर लोगों की लंबी कतारें लगने लगी हैं। कई लोग सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर चिंतित हैं।

आम उपभोक्ताओं का कहना है कि सरकार भले ही स्थिति सामान्य होने की बात कर रही हो, लेकिन जमीनी स्तर पर सिलेंडर आसानी से नहीं मिल रहे हैं और कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई अचानक बंद कर दी गई है। लोगों का यह भी आरोप है कि मौजूदा स्थिति का फायदा उठाते हुए कुछ गैस एजेंसियां सिलेंडर की कमी का हवाला देकर उपभोक्ताओं को इंतजार करने के लिए मजबूर कर रही हैं। इससे शहर में गैस सप्लाई को लेकर असमंजस और चिंता का माहौल बन गया है। दूसरी ओर केंद्र सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और तेल-गैस की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही है। सरकार ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं ताकि आपूर्ति में किसी तरह की कमी न आए। फिलहाल सरकार की प्राथमिकता घरेलू एलपीजी की उपलब्धता बनाए रखना है।

सरकारी अधिकारियों के अनुसार इस कदम का उद्देश्य आवश्यक सेवाओं जैसे- रेस्टोरेंट, अस्पताल और फूड सप्लाई चेन को बाधित होने से बचाना है। इसी बीच डोनाल्ड ट्रम्प ने संकेत दिए हैं कि ईरान से जुड़ा युद्ध जल्द खत्म हो सकता है। साथ ही त7 देशों ने भी रणनीतिक तेल भंडार के इस्तेमाल का फैसला किया है। इन घोषणाओं के बाद वैश्विक बाजार में Crude ह्व्द्य की कीमतों में कुछ नरमी देखने को मिली है। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव का असर वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर भी दिखने लगा है, जिससे कई देश ईंधन की कमी और बढ़ती कीमतों को लेकर चिंतित हैं। संघर्ष के कारण तेल आपूर्ति में लगातार बाधा आ रही है, ऐसे में कई क्षेत्रों की सरकारें ईंधन की खपत को नियंत्रित करने और सीमित आपूर्ति को संभालने के लिए आपातकालीन कदम उठा रही हैं।

विश्व के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य के पास व्यवधान उत्पन्न होने के बाद स्थिति और भी गंभीर हो गई है। वैश्विक कच्चे तेल और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस का एक महत्वपूर्ण हिस्सा फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाले इस संकरे जलमार्ग से होकर गुजरता है। यहां किसी भी प्रकार की गड़बड़ी का असर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों पर तुरंत पड़ता है। ऊर्जा विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतें पहले ही बढ़ चुकी हैं। रिपोर्टों से पता चलता है कि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे व्यापक ऊर्जा संकट की आशंका बढ़ गई है। विश्व के समुद्री मार्ग से होने वाले कच्चे तेल और एलएनजी के कुल परिवहन का लगभग 31 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। मौजूदा अस्थिरता के कारण समुद्री मार्ग प्रभावित हो रहे हैं और व्यापारी सतर्क हो रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यदि संघर्ष लंबे समय तक जारी रहता है, तो कच्चे तेल की कीमतें 120-140 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं।

अनिश्चितता ने वैश्विक वित्तीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा कर दी है। कई देशों के शेयर बाजार ऊर्जा की कीमतों में अचानक हुई वृद्धि और आपूर्ति में व्यवधान की चिंताओं पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।इस संकट का असर दुनिया के कई हिस्सों में महसूस किया जा रहा है। पाकिस्तान, फ्रांस, संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, पोलैंड, वियतनाम, बांग्लादेश, श्रीलंका और इंडोनेशिया जैसे देशों को ईंधन आपूर्ति पर बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है।इन देशों की सरकारें संकट से निपटने के लिए अलग-अलग रणनीतियां अपना रही हैं। कुछ ने ईंधन की राशनिंग शुरू की है, जबकि अन्य नागरिकों से ईंधन की खपत कम करने का आग्रह कर रही हैं।

सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में पाकिस्तान भी शामिल है। हाल के हफ्तों में पेट्रोल काफी महंगा हो गया है, जिससे वहां ईंधन की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। ईंधन संरक्षण के लिए, अधिकारियों ने स्कूलों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है और सरकारी कार्यालयों के लिए कार्य सप्ताह को घटाकर चार दिन कर दिया है। दूरस्थ कार्य को भी प्रोत्साहित किया गया है।बांग्लादेश में, घबराहट में खरीदारी ने सरकार को सख्त ईंधन राशनिंग शुरू करने के लिए मजबूर किया है। मोटरसाइकिलों को प्रति दिन केवल दो लीटर ईंधन की अनुमति है, जबकि कारों का सीमित दैनिक कोटा है। जमाखोरी रोकने के लिए अधिकारी पेट्रोल पंपों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। यूरोप में, ईंधन की बढ़ती कीमतें घरेलू बजट पर दबाव डाल रही हैं। फ्रांस और पोलैंड में, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें बताई गई हैं क्योंकि कीमतें बढ़ने से पहले ड्राइवर अपने टैंक भरने के लिए दौड़ पड़ते हैं।जर्मनी को भी बढ़ती ऊर्जा लागत का सामना करना पड़ रहा है। चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने महंगे ईंधन के आर्थिक प्रभाव के बारे में सार्वजनिक चिंताओं को स्वीकार किया है। कई ड्राइवर खर्च कम करने के लिए सार्वजनिक परिवहन की ओर रुख कर रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ हिस्सों में ईंधन की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। फ्लोरिडा और लुइसियाना जैसे राज्यों में, पेट्रोल की कीमतों में कई सेंट प्रति गैलन की वृद्धि हुई है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला के बारे में उपभोक्ता चिंताएं बढ़ गई हैं।वियतनाम ने नागरिकों से ईंधन का संरक्षण करने के लिए कहा है और सार्वजनिक परिवहन और जैव ईंधन के उपयोग को बढ़ावा दे रहा है। सरकार ने ईंधन की स्थिति पर नजर रखने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स का भी गठन किया है।श्रीलंका ने ईंधन की कीमतों में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि की है, लेकिन उसका कहना है कि उसके पास अप्रैल तक चलने के लिए पर्याप्त भंडार है।इंडोनेशिया कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए वैकल्पिक समाधान तलाश रहा है। सरकार अपने बी 50 बायोडीजल कार्यक्रम को पुनर्जीवित करने पर विचार कर रही है, जिसका उद्देश्य डीजल ईंधन में पाम तेल आधारित बायोडीजल की हिस्सेदारी को 50 प्रतिशत तक बढ़ाना है। अधिकारियों का मानना है कि इससे आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने और घरेलू ईंधन की कीमतों को स्थिर करने में मदद मिल सकती है। कई देशों के अधिकारी नागरिकों से आग्रह कर रहे हैं कि वे घबराहट में खरीदारी करने से बचें और जिम्मेदारी से ईंधन का उपयोग करें। कुछ सरकारों ने अवैध भंडारण को रोकने के लिए हॉटलाइन और निगरानी प्रणाली शुरू की है।आर्थिक विश्लेषकों का कहना है कि आने वाले सप्ताह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि मध्य पूर्व में प्रमुख ऊर्जा आपूर्ति मार्गों पर स्थिरता कितनी जल्दी लौटती है। तब तक, दुनिया भर के देश ऊर्जा बाजार में लंबे समय तक अनिश्चितता की संभावना की तैयारी कर रहे हैं।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक
समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

6 मकानों में आग लगी, 20 बकरियां जिंदा जली

खंडवा के आदिवासी फाल्या में हादसा, पीड़ित बोले- 5 किलों चांदी, लाखों की नकदी रखी थी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • खंडवा के एक आदिवासी फाल्या में बुधवार को आग लग गई। आग से 6 मकान जलकर पूरी तरह खाक हो गए हैं। गृहस्थी का पूरा सामान जलने के साथ ही 20 बकरियां आग की चपेट में आ गईं। मौके पर बकरियों की अस्थियां नजर आ रही हैं। घटनास्थल पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया हैं।

घटना पंधाना तहसील की शेखपुरा ग्राम पंचायत के जामली खुर्द खापरी गांव की हैं। जहां धनतर मामा के फाल्या पर बने एक ही परिवार के 6 मकानों में आग लग गई। उस वक्त परिवार के लोग गेहूं कटाई के लिए मजदूरी करने गए थे। दोपहर 1 बजे की घटना बताई जा रही हैं। मौके पर फायर ब्रिगेड ने पहुंचकर आग पर काबू पाया।

इधर, ग्रामीणों ने आग के विकराल रूप को थमाने के लिए ट्रैक्टरों का उपयोग किया। ट्रैक्टरों से खेतों में कल्टीवेटर किया, ताकि आग की लपटें गेहूं की खड़ी फसलों तक नहीं पहुंच सके।

हादसे में 20 बकरियां जिंदा जलीं-मौके पर पहुंचे पटवारी प्रेमसिंह रावत ने बताया कि आग लगने के कारण फिलहाल अज्ञात हैं। शार्ट सर्किट की संभावना जताई जा रही हैं। हालांकि यह जांच का विषय हैं। नुकसानी की बात की जाए तो 20 बकरियां जिंदा जल गई हैं। 6 मकान भी पूरी तरह खाक हुए हैं। इनमें 100 फीसदी नुकसान हुआ हैं। पीड़ितों ने कहा कि घरों में करीब 5 लाख रुपए की नकदी थी। एक पीड़ित के पास 2 लाख रुपए ट्रैक्टर की किश्त भरने के लिए थे। वहीं आदिवासी परिवार के चलते महिलाओं के पास चांदी की ज्वैलरी थी। अनुमान के तौर पर 5 किलों चांदी बताई गई हैं। पटवारी रावत के अनुसार, पंचानामा बनाकर नुकसानी रिपोर्ट तैयार की गई हैं।

स्कॉर्पियो सवार 8 बदमाशों ने किसान के घर लूट की

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • खंडवा जिले के नर्मदानगर थाना क्षेत्र के पामाखेड़ी गांव में गुरुवार सुबह 6 बजे स्कॉर्पियो सवार 8 बदमाशों ने एक किसान के घर लूट की वारदात को अंजाम दिया है। बदमाशों ने घर के 3 चौकीदारों को बंधक बनाकर 1 लाख 60 हजार रुपए नकद और एक 12 बोर की बंदूक लूट ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है और बदमाशों की तलाश शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लूट की यह वारदात पामाखेड़ी गांव के रहने वाले संपन्न किसान ललित सोलंकी के घर हुई है। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे स्कॉर्पियो से आए 8 बदमाशों ने घर में घुसकर सबसे पहले तीन चौकीदारों के साथ मारपीट की। इसके बाद बदमाशों ने उन्हें बंधक बना लिया और कमरों में जाकर अलमारियों के ताले तोड़कर 1.60 लाख रुपए नकद व 12 बोर की बंदूक अपने कब्जे में ले ली। घटना की जानकारी मिलने पर नर्मदानगर थाना टीआई विकास खिंची तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने आते ही चौकीदारों से पूछा था कि 'ललित कहां है?', जिससे अंदेशा है कि लूट करने वाले बदमाश परिवार से पूर्व परिचित हो सकते हैं। पुलिस इलाके में लगे कैमरों की जांच कर रही है। वारदात में इस्तेमाल किए गए बदमाशों के स्कॉर्पियो वाहन को वन विभाग के सीसीटीवी कैमरे में देखा गया है।

25 लाख की पुलिया एक साल से अटकी

सेल नदी से गुजरती है शवयात्रा, एंबुलेंस नहीं पहुंचती, गर्भवती महिलाओं को नदी पार करनी पड़ रही

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • खरगोन जिले के मनावर में सेल नदी पर पुलिया निर्माण में देरी हो रही है। 24.99 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस पुलिया को पंचायत, जनपद और जिला पंचायत स्तर पर प्रशासनिक मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ पाया है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, पुलिया न होने के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए गांव तक एम्बुलेंस नहीं पहुंच पाती। मुक्तिधाम तक जाने वाली शवयात्रा भी पहाड़ी नाले से होकर गुजरती है। स्कूली बच्चों को भी नदी पार कर स्कूल पहुंचने में काफी परेशानी होती है। पहाड़ी नदी होने के कारण बारिश के मौसम में ग्रामीणों की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं, जिससे हादसों का डर बना रहता है। रामरतन कटारे, देवीसिंह वसुनिया, राहुल खंडेलवाल और मुकाती वसुनिया ने बताया कि पंचायत के प्रस्ताव के बाद जनपद और जिला पंचायत ने अधोसंरचनात्मक मद से लगभग 25 लाख रुपये की पुलिया स्वीकृत की थी। हालांकि, एक साल बीत जाने के बाद भी काम शुरू नहीं हो पाया है। ग्रामीणों ने कलेक्टर और जिला पंचायत कार्यालय में कई बार इस संबंध में मांग उठाई है। पुलिया निर्माण की मांग करने वालों में शामिल 65 वर्षीय गेंदालाल नाभिया का कुछ महीने पहले निधन हो गया। दुर्भाग्यवश, उनकी शवयात्रा भी उसी पहाड़ी नदी के बीच से होकर मुक्तिधाम तक पहुंची थी।

पंधाना एसडीएम दीक्षा भगोरे को पद से हटाया

बिना कारण जाति प्रमाण के 1400 आवेदन रिजेक्ट किए, सरकारी जमीनों पर कब्जा कराने के आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बुधवार को डिप्टी कलेक्टर दीक्षा भगोरे को पंधाना एसडीएम पद से हटा दिया है। उन्हें कलेक्ट्रेट कार्यालय में निर्वाचन शाखा सहित अन्य काम सौंपे गए है। उन्हें एसडीएम पद से हटाने के पीछे शिकायतों की लंबी फेहरिस्त है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने कहा कि, भगोरे के एसडीएम कार्यकाल की जांच होना चाहिए। इसके लिए भोपाल जाकर मुख्य सचिव से मिलेंगे और जांच की मांग करेंगे।

उन्होंने कहा कि, एसडीएम रहते हुए दीक्षा भगोरे ने सरकारी जमीनों पर कब्जे करवाए है। साथ ही आदिवासियों के साथ अन्याय किया है। जिन लोगों ने जाति प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन किए थे, उन्हें बिना कारण बताए रिजेक्ट कर दिया गया। जिन्होंने इसके खिलाफ अपील की, उनके जाति प्रमाण पत्र बना दिए गए।

बता दें कि, पंधाना विधायक छाया मोरे की शिकायत पर डिप्टी कलेक्टर दीक्षा भगोरे के खिलाफ एक्शन लिया गया है। उनकी जगह पूर्व में पदस्थ रहे डिप्टी कलेक्टर दिनेश सांवले को एसडीएम का चार्ज दिया गया है। हटाने के पीछे की मुख्य वजह भगोरे की प्रशासनिक कामकाज में कमजोरी बताई गई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने नेशनल हाईवे से लगे बोरगांव बुजुर्ग में बेशकीमती सरकारी जमीनों पर कब्जे कराए है। यानी उनके रहते हुए जमीनों पर कब्जे हुए है, शिकायतों के बाद भी एसडीएम ने एक्शन नहीं लिया।

बुरहानपुर वन मंडल का तेंदूपत्ता संग्रहण लक्ष्य बढ़ा: 2026 में 5410 मानक बोरा, ग्रामीणों को 2.16 करोड़ मजदूरी मिलेगी

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • बुरहानपुर वन मंडल ने वर्ष 2026 के लिए तेंदूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य बढ़ा दिया है। इस साल 5410 मानक बोरा तेंदूपत्ता एकत्र करने का लक्ष्य तय किया गया है। इस काम के बदले ग्रामीणों को करीब 2 करोड़ 16 लाख 40 हजार रुपये की मजदूरी मिलेगी। मजदूरी की दर 4000 रुपये प्रति मानक बोरा तय की गई है। तेंदूपत्ता संग्रहण शुरू होने से पहले शाखा करतन (छंटाई) कार्य को लेकर मंगलवार को प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यक्रम खकनार वन परिक्षेत्र के कक्ष क्रमांक 332 में हुआ और शाम छह बजे तक चला। कार्यशाला में सभी परिक्षेत्र अधिकारी, फड़ मुंशी, फड़ अभिरक्षक और उप वनमंडल अधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों ने तेंदूपत्ता संग्रहण और शाखा छंटाई से जुड़े जरूरी नियमों और प्रक्रियाओं की जानकारी दी। वन विभाग के अनुसार तेंदूपत्ता संग्रहण वन क्षेत्र के आसपास रहने वाले ग्रामीणों के लिए आय का एक अहम जरिया है।

पिता को जेल से छुड़वाकर लाए बेटे ने खुदकुशी की

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • खंडवा जिले के छैगांवमाखन क्षेत्र के ग्राम हरसवाड़ा में गुरुवार सुबह 22 वर्षीय प्रवीण मंडलोई (गुर्जर) ने जहर (सल्फास) खाकर आत्महत्या कर ली। दोपहर को उसकी मौत हो गई। युवक अपने पिता को चोरी के आरोप में जेल से जमानत पर छुड़वाकर लाया था। परिवार वाले उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है।

मृतक प्रवीण के मामा भगवान गुर्जर ने बताया कि प्रवीण इंदौर में दूध डेयरी पर नौकरी करता था। उसके पिता कैलाश को गांव के कोटवार के घर चोरी के आरोप में पुलिस पकड़कर ले गई थी और जेल में डाल दिया था। इसकी जानकारी मिलने पर प्रवीण इंदौर से गांव आया। परिवार के लोगों ने सलाह दी कि जमानत करवा लो, शायद वह सुधर जाए। इसके बाद प्रवीण ने बुधवार को 10 हजार रुपए खर्च कर पिता की जमानत कराई। शाम को जब प्रवीण पिता को लेकर गांव पहुंचा, तो पिता ने गांव के बाहर ही शराब खरीदी और पीने बैठ गया। बेटे ने समझाया कि बहुत बदनामी हो गई है, अब शराब छोड़ दोगे तो चोरी वगैरह नहीं करोगे। पिता नहीं माना, तो बेटे ने कहा कि तुम शराब नहीं छोड़ोगे तो मैं मर जाऊंगा। इस पर पिता कैलाश ने कहा कि, 'जा तू मर जा, मैं तो शराब पीना नहीं छोड़ूंगा।' इसी बात से आहत होकर प्रवीण ने जान दे दी।

द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स की कप्तानी करेंगे जैकब बेथेल

लंदन (एजेंसी) • टी20 विश्वकप में भारतीय टीम के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल को द हंड्रेड लीग में बर्मिंघम फीनिक्स ने अपना कप्तान बनाया है। बेथेल को आगामी सत्र के लिए होने वाली नीलामी ही लियम लिविंगस्टोन की जगह कप्तान बनाया गया है। वहीं लिविंगस्टोन इस बार लंदन स्पिरिट से खेलते नजर आयेंगे। कप्तानी मिलने से उत्साहित बेथेल ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, बर्मिंघम फीनिक्स का कप्तान बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करने के कारण उन्हें अंदाज है कि ये जिम्मेदारी कितनी बड़ी होती है। इसमें हमें और टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लेना होता है।

हाल बेथेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लिस्ट ए, फर्स्ट क्लास और टी20 तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में खिलाफ उन्होंने में शानदार शतक लगाकर अपनी क्षमता साबित की थी। बर्मिंघम फीनिक्स के मुख्य कोच शेन बॉन्ड ने बेथेल की कप्तानी कौशल को सराहा है। उन्होंने कहा कि बेथेल बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और कम उम्र में ही उनकी नेतृत्व सामने आई है। बॉन्ड के मुताबिक, पिछले साल इंग्लैंड की कप्तानी करते समय हमने उनकी कप्तानी देखी है। बेथेल ने साल 2022 में वेल्श फायर के लिए द हंड्रेड में डेब्यू किया था। इसके बाद 2023 में उन्हें बर्मिंघम फीनिक्स ने टीम में शामिल किया, लेकिन उस सीजन में वह केवल एक ही मैच खेल पाये थे। साल 2024 के सत्र में उन्होंने 9 मैचों में 166 रन बनाए, जहां उनका औसत 33.20 और स्ट्राइक रेट 132.80 रहा। पिछले सत्र में उन्होंने 8 पारियों में 122 रन बनाए। वहीं गेंदबाजी में उन्होंने 3 विकेट लिए, हालांकि उनका इकॉनमी रेट 10 से ज्यादा रहा।वहीं फीनिक्स ने ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एलिस पेरी को लगातार दूसरे सत्र के लिए बर्मिंघम फीनिक्स की महिला टीम का कप्तान बनाया है।

जय शाह ने दिया था मुझे मुख्य कोच बनने का प्रस्ताव : गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी) • भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर अपने अलग अंदाज के लिए जाने जाते है। उनके मुख्य कोच बनने के बाद से ही टीम ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी, एशिया कप और टी20 विश्वकप जीता है। गंभीर हालांकि टेस्ट प्रारुप में टीम को सफलता नहीं दिला पाये। इसके कारण वह आलोचकों के निशाने पर भी रहे हैं। गंभीर का कहना है कि उन्हें कोचिंग को कोई अनुभव नहीं था पर तत्कालीन बीसीसीआई सचिव जय शाह ने उन्हें मुख्य कोच बनने का प्रस्तान दिया था जिसके लिए वह मना नहीं कर पाये हालांकि इससे पहले उन्होंने अपने परिवार और पत्नी से बात की थी। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त होने के बाद गंभीर को मुख्य कोच की जिम्मेदारी दी गयी थी। उनको कोच बनाना इसलिए हैरानी की बात रही कि उनके पास पहले का कोई अनुभव नहीं था। गंभीर ने हाल ही में बताया कि जब शाह ने उन्हें यह प्रस्ताव दिया, तो वह इसके लिए तैयार नहीं थे पर शाह को मना नहीं कर पाये।

वेस्टइंडीज दौरे में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी करेंगी मोलिन्यू

सिडनी (एजेंसी) • सोफी मोलिन्यू की कप्तानी की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम 19 मार्च से 2 अप्रैल तक होने वाले वेस्टइंडीज दौरे पर जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैचों की इस सीरीज के लिए सोफी को एलीसा हीली के संन्यास लेने के कारण कप्तान बनाया है। सोफी भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान लगी पीठ की चोट के कारण टीम से बाहर हो गयीं थीं। वहीं ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को इस सीरीज में आराम दिया गया है। उन्हें भारत के खिलाफ सीरीज में अच्छे शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड मिला था। सदरलैंड ने भारत के खिलाफ दिन-रात के मैच में शतक लगाया था और छह विकेट भी लिए थे। राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने पिछले एक साल से लगातार क्रिकेट खेलने के कारण उन्हें आराम दिया गया है जिससे वह विश्वकप से पहले पूरी तरह फिट रह सकें। उन्होंने कहा, एनाबेल पिछले एक साल से लगातार खेल रही हैं। उनके ऊपर बोझ को ध्यान में रखते हुए उन्हें आराम दिया गया है, जिससे वह विश्वकप से पहले पूरी तरह तैयार रहें।

चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर ने कहा कि मोलिन्यू आगामी महिला टी20 विश्व कप 2026 को देखते हुए सभी मैच खेलने का प्रयास करेंगी। वह हालांकि एकदिवसीय सीरीज के कुछ मुकाबले नहीं खेलहैं, क्योंकि फिलहाल टीम का पूरा ध्यान टी20 मुकाबलों पर है। अगर सोफी कुछ मैच नहीं खेल पाती हैं तो एश्ले गार्डनर और टालिया मैक्ग्रा को संयुक्त उपकप्तान बनाया गया है। इस टीम से सिर्फ एक खिलाड़ी को बाहर किया गया है और वह हैं ग्रेस हैरिस। चयनकर्ताओं ने हालांकि कहा कि उनके लिए टीम के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं और वह टी20 विश्व कप की दौड़ में अभी भी शामिल हैं। चयनकर्ताओं ने विकेटकीपर बल्लेबाज टालिया विल्सन को भी बेथ मूनी की जगह पर के रूप में टीम में शामिली किया है।

फिल्म 'नागबंधम' के निर्माता ने जारी किया 'नमो रे' गाने का नया पोस्टर

मुंबई (एजेंसी) • फिल्म 'नागबंधम' के मेकर्स ने इसके पहले गाने 'नमो रे' के प्रोमो रिलीज की तारीख का ऐलान कर दिया है। पूरा गाना 15 मार्च 2026 को रिलीज किया जाएगा। महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर फिल्म का टीज़र आने के बाद से ही इसे लेकर काफी चर्चा है। इस टीज़र ने रिलीज के महज 24 घंटों में 20 मिलियन (2 करोड़) से ज्यादा व्यूज पार कर लिए थे, जिससे ढ्ढरूष्ठढ्ढ की रिपोर्ट के अनुसार यह 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। नागबंधम के टीज़र को उसके बड़े स्केल, दमदार बैकग्राउंड म्यूज़िक और शानदार स्क्रीन प्रेजेंटेशन के लिए काफी पसंद किया जा रहा है। यह टीज़र एक ऐसी विजुअली रिच पौराणिक दुनिया की झलक दिखाता है, जो पूरी तरह से भारतीय लोककथाओं और कहानियों से जुड़ी हुई है। नागबंधम की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायरेक्शन की कमान अभिषेक नामा ने संभाली है। इस फिल्म के प्रोड्यूसर किशोर अन्नपुरेड्डी और निशिथा नागिरेड्डी हैं। यह फिल्म 2026 की गर्मियों में पैन-इंडिया लेवल पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

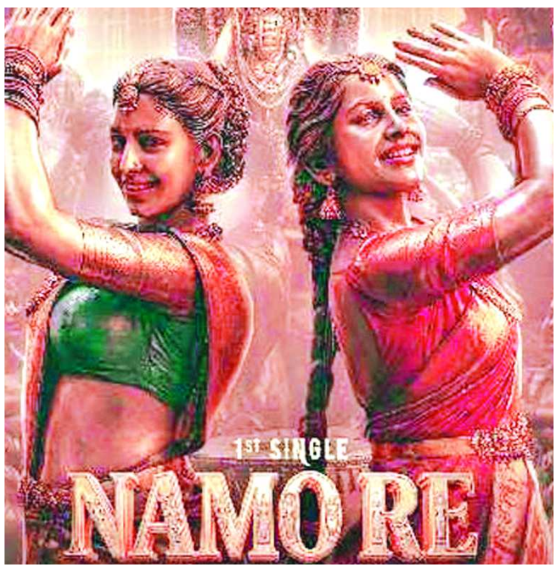

शहनाज के वीडियो ने खींचा फैंस का ध्यान

मुंबई (एजेंसी) • 'पंजाब की कैटरीना कैफ' के नाम से मशहूर शहनाज गिल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक छोटा लेकिन बेहद आकर्षक वीडियो साझा किया, जिसने इंटरनेट पर फैंस का ध्यान खींच लिया। वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'उफ गर्मी ', जो उनके समर मूड को बयां करता है। इस रील में शहनाज गिल मैरून रंग के सिंपल पंजाबी सूट में नजर आ रही हैं। उनका यह सादगी भरा लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। खास बात यह है कि उन्होंने पारंपरिक सैंडल की जगह सफेद रंग के जूते पहने हैं, जिससे उनका स्टाइल थोड़ा अलग और मॉडर्न दिखाई देता है। धूप से बचने के लिए उन्होंने सनग्लासेस लगाए हुए हैं और हाथ में काले रंग का छाता पकड़ा हुआ है।

वीडियो में वह खुले मैदान में किसी नदी के किनारे खड़ी दिखाई देती हैं और पंजाबी गाने की धुन पर अलग-अलग अंदाज में पोज देते हुए वाइब करती नजर आती हैं। शहनाज की कातिलाना अदाएं और सहज मुस्कान इस वीडियो को और खास बना रही हैं। उनके इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर इसे लेकर चर्चा तेज हो गई। कुछ ही घंटों में वीडियो पर हजारों लाइक्स और व्यूज आ चुके हैं।

उज्जैन संभाग

प्रतिष्ठानों पर खाद्य विभाग का छापा : 35 से अधिक गैस सिलेंडर जब्त, दो टीमों ने की कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • गैस सिलेंडर की कालाबाजारी की शिकायतों के बीच उज्जैन कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य विभाग की टीम ने शहर के कई रेस्टोरेंट और भोजनालयों पर गुरुवार को छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान 35 से अधिक घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। पिछले दो दिनों से शहर में गैस सिलेंडर की जमाखोरी और घरेलू सिलेंडर के व्यावसायिक उपयोग की शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद खाद्य आपूर्ति विभाग ने आठ अधिकारियों की दो टीमें बनाकर अलग-अलग क्षेत्रों में छापेमारी की।

घरेलू सिलेंडर का उपयोग न करने की हिदायत-खाद्य विभाग की टीम ने संबंधित संचालकों को सख्त हिदायत देते हुए समझाइश दी कि वे व्यावसायिक कार्यों में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग न करें। इसके स्थान पर इलेक्ट्रिक इंडक्शन, पीएनजी या डीजल भट्टी का उपयोग करने की सलाह दी गई है। विभाग ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने पर आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रेलिस फ्रायड अंडे वाले से 9 सिलेंडर जब्त

पहली टीम में सहायक खाद्य नियंत्रक संतोष सिमोलिया, फूड इंस्पेक्टर अंकिता जोशी, नागेश दाहिमा और भूषण गुज्जर शामिल थे। टीम ने आरटीओ कार्यालय के पास रंगीला कैफे से एक घरेलू सिलेंडर, फ्रीगंज में रेलिस फ्रायड अंडे वाले से 9, महाकाल भोजनालय से 1, जैन कचोरी फ्रीगंज से 2, नवरतन फ्यूजन से 2, ऋषि नगर के एक रेस्टोरेंट से 1 और फ्रीगंज के फाफड़ा विक्रेता से 8 सिलेंडर जब्त किए। दूसरी टीम में सहायक खाद्य नियंत्रक चंद्रशेखर बारोड़, फूड इंस्पेक्टर समद खान और रश्मि खामबेटे शामिल थे। इस टीम ने हरी फाटक क्षेत्र में स्थित अन्नपूर्णा श्याम पवित्र भोजनालय सहित अन्य प्रतिष्ठानों से कुल 7 सिलेंडर जब्त किए।

ईरान अमेरिका युद्ध से देश भर में गैस सिलेंडर को लेकर मचे हाहाकार के बीच उज्जैन में काला बाजारी पर लगाम लगाने के लिए उज्जैन कलेक्टर के आदेश पर खाद्य विभाग की टीम ने शहर के कई रेस्टोरेंट पर छापा मार कर 35 से अधिक गैस सिलेंडर जब्त किये है। इनमे कई घरेलु और कमर्शियल सिलेंडर शामिल है।

दो दिन से शहर में ग़ज़ल सिलेंडर को लेकर जामखोरी की मिल रही शिकायतों को लेकर खाद्य आपूर्ति विभाग के 8 अधिकारियों की टीम ने दो अलग अलग टीम बनाकर छापा मारकर कार्रवाई को अंजाम दिया। जिसमें संतोष सिमोलिया एसटीटेंट फ़ूड कंट्रोलर,अंकिता जोशी फ़ूड इंस्पेकटर,नागेश दाहिमा और भूषण गुज्जर की टीम ने आरटीओ कार्यालय के रंगीला कैफे से एक घरेलू टंकी,रेलिस फ्रायड अंडे वाले फ्रीगंज से 9,महाकाल भोजनालय से 1,जैन कचोरी फ्रीगंज से 2,नवरतन फ्यूजन से 2,ऋषि नगर रेस्टोरेंट से 1,फ्रीगंज में फाफड़े वाले से 8 सिलेंडर जब्त किये है। इसी तरह दूसरी टीम में शामिल चन्द्र शेखर बारोड़ एसिस्टेंट फ़ूड कंट्रोलर, समद खान फ़ूड इंस्पेकटर,रश्मि खामबेटे की टीम ने हरी फाटक क्षेत्र के रेस्टोरेंट अन्नपूर्णा श्याम पवित्र भोजनालय सहित एक अन्य से कुल 7 सिलेंडर जब्त किये है। टीम ने बताया कि सभी को हिदायत देकर समझाईश दी है कि घरेलु गैस सिलेंडर का उपयोग ना करे। वे इलेक्ट्रिक इंडेक्शन पीएनजी या डीजल भट्टी का भी उपयोग कर सकते है।

उज्जैन संभागायुक्त ने किया सड़क चौड़ीकरण का निरीक्षण

सड़क के जोड़ न भरने पर हुए नाराज, इंजीनियर-ठेकेदार को दी कार्रवाई की चेतावनी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सिंहस्थ 2028 को देखते हुए उज्जैन में प्रमुख सड़कों का चौड़ीकरण कार्य चल रहा है। गुरुवार को संभागायुक्त आशीष सिंह और नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क के जोड़ ठीक से नहीं भरे जाने पर आयुक्त ने नाराजगी व्यक्त की और इंजीनियर एवं ठेकेदार को कार्यशैली में सुधार की चेतावनी दी। आयुक्त ने साफ कहा कि कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने तय समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के समय नगर निगम के अधिकारी, संबंधित इंजीनियर, ठेकेदार और कंसल्टेंट भी उपस्थित थे।

संभाग आयुक्त ने टैगोर चौराहे से दो तालाब, गेल इंडिया से नीलगंगा चौराहा और मंछामन से हरी फाटक ब्रिज तक चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने इंजीनियरों और ठेकेदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों को

प्राथमिकता से पूरा किया जाए। निरीक्षण के दौरान परियोजनाओं की जानकारी दी गई। टैगोर चौराहे से दो तालाब तक 9.68 करोड़ रुपए की लागत से 18 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण हो रहा है, जिसमें वर्तमान में ड्रेनेज का कार्य चल रहा है।

40 करोड़ में बन रही 2.76 किलोमीटर की सड़क-गेल इंडिया से केटीएम शोरूम होते हुए शांति नगर और नीलगंगा चौराहा तक 2.76 किलोमीटर लंबे मार्ग पर लगभग 40 करोड़ रुपए की लागत से 18 मीटर चौड़ी सड़क बनाई जा रही है। मंछामन से हरी फाटक ब्रिज तक नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत 7.5 करोड़ रुपए की लागत से कार्य जारी है।

आयुक्त ने नागरिकों से भी की बात-संभाग आयुक्त ने क्षेत्र के नागरिकों से भी बातचीत की और उन्हें निर्माण कार्य से हो रही असुविधाओं के समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि यह सड़क चौड़ीकरण कार्य आगामी सिंहस्थ महापर्व को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, ताकि भविष्य में यातायात और आवागमन सुचारू हो सके।

गेहूं बिक्री का रिकॉर्ड 1.25 लाख पंजीयन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सरकार को समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए उज्जैन जिले में इस बार रिकॉर्ड 1.25 लाख किसानों ने पंजीयन करवा लिया। किसानों के पंजीकृत 3 लाख हेक्टेयर रकबे के हिसाब से इस बार खरीदी का रिकॉर्ड भी संभवत: टूटेगा ही।

यह पहला मौका है जब समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए किसानों ने इतना उत्साह दिखाया है। इससे पहले पंजीयन का यह आंकड़ा 70 हजार से लेकर 97 हजार तक ही रहता आया है। पहले से 197 खरीदी केंद्र बनाने वाले

अधिकारियों ने अब खरीदी संसाधन बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है, क्योंकि पिछले साल की तुलना 97 हजार पंजीकृत किसानों की तुलना इस साल 28 हजार किसान बढ़ गए हैं। जिन्होंने 3 लाख हेक्टेयर रकबा दर्ज करा दिया है। रकबे के हिसाब से खरीदी का आंकड़ा 80 से 90 लाख क्विंटल तक पहुंचने का अनुमान है। आपूर्ति नियंत्रक शालू वर्मा ने बताया कि पंजीयन का आंकड़ा पिछले रिकॉर्ड के मुताबिक अब तक का सबसे ज्यादा है।

माधव कॉलेज में डॉ. अंबेडकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी छात्र संगठन ने कहा- परिसर में लगाएं सीसीटीवी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • उज्जैन के माधव साइंस कॉलेज में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी लिखे जाने पर विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले को लेकर डॉ. अंबेडकर विद्यार्थी संगठन ने गुरुवार को कॉलेज परिसर के बाहर प्रदर्शन किया।

संगठन ने टिप्पणी लिखने वाले आरोपी के खिलाफ कार्रवाई और कॉलेज में सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की है। संगठन के अध्यक्ष राम सोलंकी ने बताया कि प्रदेश के

ए++ ग्रेड महाविद्यालय होने के बावजूद किसी असामाजिक तत्व ने कॉलेज परिसर में बाबासाहेब के खिलाफ आपत्तिजनक शब्द लिख दिए। राम सोलंकी के अनुसार, सुबह घटना की जानकारी मिलने पर उन्होंने प्राचार्य को अवगत कराया, लेकिन तत्काल कार्रवाई करने के बजाय उस लिखावट को मिटा दिया गया। संगठन का दावा है कि उनके पास घटना से जुड़ा फोटो भी मौजूद है। संगठन ने मांग की है कि आपत्तिजनक टिप्पणी लिखने वाले व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे कॉलेज से निष्कासित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो। साथ ही, पूरे महाविद्यालय परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने की भी मांग उठाई गई है, जिससे आरोपियों की पहचान आसानी से हो सके। इस मुद्दे को लेकर संगठन के कार्यकर्ताओं ने कॉलेज गेट पर प्रदर्शन किया और नारेबाजी भी की। प्रदर्शन के दौरान कुछ समय के लिए कॉलेज का गेट बंद कर दिया गया, जिससे छात्रों का आवागमन प्रभावित हुआ।

न्यूज ब्रीफ

अवैध पटाखा भंडारण मामले में प्रशासन सख्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर जिले में अवैध रूप से पटाखों के भंडारण के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) इंदौर द्वारा प्रस्तुत प्रकरण के आधार पर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा ने मामले में कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना हातोद क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सोनगीर में 17 दिसंबर 2025 को सर्वे नंबर 26 स्थित भूमि पर अवैध रूप से पटाखों का भंडारण किया गया था। दबिश देकर मौके से भारी मात्रा में अवैध पटाखे एवं संबंधित सामग्री बरामद की गई थी। यह सामग्री बिना वैध अनुमति के रखी गई थी, जिससे सुरक्षा संबंधी गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता था। जांच के दौरान वाहन क्रमांक एमपी-09-एजी-2508 तथा एक अन्य वाहन के माध्यम से अवैध पटाखों के परिवहन और भंडारण की जानकारी सामने आई।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जल प्रबंधन के लिये की जा रही हैं जनभागीदारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये प्रभावी रूप से जनभागीदारी की पहल की गई है। प्रदेश में 'जल महोत्सव-2026' आयोजित किया जा रहा है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत यह अभियान केवल पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्राम स्तर पर जल प्रबंधन के लिये समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक दूरदर्शी प्रयास है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति व्यवस्था को दीर्घकालिक, उत्तरदायी और आत्मनिर्भर बनाने की अवधारणा को सुदृढ़ किया जा रहा है। प्रदेश के चयनित ग्रामों में 8 मार्च से 22 मार्च के बीच जल महोत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है।

अवंतिका गैस का संकट : इंडस्ट्री-कमर्शियल पर लगाया 80 फीसदी खपत का फार्मूला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● रसोई गैस के संकट के बाद अब इंदौर और मध्यप्रदेश की इंडस्ट्री संकट में आ गई है। अवंतिका गैस कंपनी ने सभी औद्योगिक व वाणिज्यिक उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं को पत्र जारी कर दिया है। इसमें खपत का 80 फीसदी का फार्मूला लगाते हुए इससे अधिक खपत पर जुर्माना लगाने की चेतावनी दे दी है।

अवंतिका गैस के जरिए भेजे गए ई-मेल में साफ कहा गया कि औद्योगिक व वाणिज्यिक सेक्टर को पीएनजी की आपूर्ति को लेकर 12 मार्च से प्रतिबंध लागू किए गए हैं। इसके तहत बीते 6 माह में हुई औसत गैस खपत का 80 फीसदी ही दिया जाएगा।

ई-मेल में इसके साथ सूचना दी गई है कि कीमत के आधार मूल्य में एक रुपए प्रति यूनिट की बढ़ोतरी भी की जाती है। यह दर भी 12 मार्च से ही प्रभावी हो गई। अप्रत्याशित स्थिति होने पर सभी तरह की छूट खत्म की जाएगी। गैस कंपनी ने यह भी सभी को चेतावनी दी है कि यदि तय खपत (80 फीसदी) से अधिक गैस का उपयोग किया तो जुर्माना लगेगा। इसके तहत गैस उपभोक्ता से मूल गैस कंपनी के जरिए बाजार भाव से कीमत वसूली जाएगी, जो बहुत अधिक दर होती है। सांकेतिक कीमत 22-23 डॉलर/एमएमबीटीयू यानी टैक्स सहित यह कीमत 96 रुपए प्रति एससीएम हो सकती है। इसलिए सभी इस बात का ध्यान रखें कि वे योजना के अनुसार ही खपत करें। इस ग्लोबल राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान आपसी सहयोग करें। उधर घरेलू रसोई गैस एजेंसी/डीलर्स ने गुरुवार, 12 मार्च को इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा से मुलाकात कर अपना मांग पत्र दिया है। इसमें कहा गया है कि अभी कंपनियों ने ओटीपी सिस्टम लागू किया हुआ है, लेकिन सात दिन से सर्वर समस्या है।

इसके चलते लोग परेशान होकर एजेंसी के दफ्तर आ रहे हैं। अभी ओटीपी सिस्टम को सात दिन के लिए रोका जाए, जिससे हम बैकलाग ऑर्डर को पूरा कर सकें। इसके लिए चार दिन का समय लगेगा। लगातार पैनिक बुकिंग से भी संकट आ रहा है।

अभी रसोई गैस के ऑर्डर लग रहे हैं और सप्लाई हो रही है, लेकिन बहुत अधिक बुकिंग के चलते बैकलाग बढ़ रहा है। एजेंसियों ने कहा कि ऑयल कंपनियों को सर्वर ठीक करने के लिए भी बोला जाए।

इंडस्ट्री को अभी पीएनजी गैस की सप्लाई 54.96 रुपए प्रति एससीएम के भाव पर होती है। इसमें मध्य प्रदेश शासन का 14 फीसदी वैट लगता है, जिसका रिफंड नहीं मिलता है। इस तरह यह प्रभावी रूप से 62.65 रुपए के भाव में पड़ती है। लेकिन 80 फीसदी से अधिक उपयोग करने पर इंडस्ट्री को यही गैस 96 रुपए के भाव पर पड़ेगी।

कालाबाजारी हो गई शुरू

भले ही सभी ओर से दावे किए जाएं कि रसोई गैस को लेकर कोई संकट नहीं है, लेकिन मैदानी हालात ठीक नहीं हैं। पैनिक बुकिंग के कारण हालत खराब है। दस गुना अधिक बुकिंग की जा रही है। एजेंसियों पर बैकलाग बढ़ गया है। कई कालाबाजारी करने वालों ने दो से ढाई हजार रुपए में घरेलू टंकी देना और इसकी रिफिलिंग का काम शुरू कर दिया है। प्रशासन ने इसे रोकने के लिए टीम बनाई है जो बुधवार से मैदान पर छापे मार रही है। बुधवार के बाद गुरुवार को भी अवैध गैस गोदामों पर छापे मारकर एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए हैं।

घरेलू गैस सप्लाई बनाए रखने के लिए उठाया कदम

जानकारी के अनुसार, यह कदम केंद्र सरकार ने घरों में घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उठाया है। इंडस्ट्रियल और कमर्शियल उपयोग की प्राथमिकता इसके बाद तय की जाएगी। यदि भविष्य में गैस का संकट और गहराता है, तो आपूर्ति में और भी कटौती की जा सकती है ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को निर्बाध सप्लाई मिलती रहे।

आईएएस फार्महाउस जुआ कांड : टीआई, एसआई सस्पेंड, सरगना कूबड़ा से सांठगांठ की आशंका

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश वित्त निगम की एमडी आईएएस वंदना वैद्य और उनके पति, पूर्व सहकारिता उपायुक्त अंबरीश वैद्य के फार्महाउस पर हुए जुआ कांड की गाज पुलिस पर गिरी है। इस मामले का मुख्य सरगना जगदीश राठौड़ उर्फ जगदीश कूबड़ा फिलहाल फरार है। वहीं, सरगना कूबड़ा के साथ मानपुर पुलिस की सांठगांठ की आशंका जताई जा रही है। इसके चलते आला अधिकारियों ने मानपुर टीआई लोकेंद्र सिंह हिरवे, एसआई मिथुन ओसारी और एएसआई रेशम गिरवाल को सस्पेंड कर दिया है।

स्थानीय पुलिस को जानकारी दिए बिना छापा-इस मामले में आला अधिकारियों को स्थानीय मानपुर पुलिस पर पहले से ही संदेह था। इसके चलते आईजी अनुराग ने गोपनीय सूचना मिलने पर ग्रामीण एसपी यांगचेन डोलकर भूटिया के साथ मिलकर एक स्पेशल टीम बनाई थी। इसमें बाहर के पुलिसकर्मी शामिल थे। इन्हीं से दबिश डलवाई गई। वहीं, इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को भी मिल गई, जिसके बाद स्थानीय पुलिस भी दबिश के नाम पर मौके पर पहुंच गई।

कूबड़ा फरार या मौके से भगाया गया?

इस बात की भी आशंका जताई जा रही है कि छापे की जानकारी लीक हो गई थी। इसके चलते मुख्य सरगना कूबड़ा अपने कुछ खास जुआरियों के साथ मौके से फरार होने में सफल रहा।

संदेह है कि उसे जानबूझकर मौके से भागने दिया गया। सूत्रों के अनुसार, कूबड़ा भागते समय अपने साथ एक बड़ी रकम लेकर गया है। मौके से जब्त 13 लाख 67 हजार रुपए की राशि तो कुछ भी नहीं है। बताया जा रहा है कि कूबड़ा इससे कई गुना अधिक राशि लेकर फरार हुआ है।

संचालित हो रहा था बड़ा अड्डा

मौके से 18 जुआरी पकड़े गए हैं, जो धार, देवास, इंदौर, उज्जैन, खरगोन और आलीराजपुर के साथ-साथ गुजरात के भी रहने वाले हैं। पुलिस को वहां से 30 मोबाइल और दो कारें मिली हैं। इन सबसे स्पष्ट हो रहा है कि वहां बड़े पैमाने पर जुआ अड्डा संचालित किया जा रहा था।

घटना के बाद से ही फार्महाउस का केयरटेकर रंजीत चौधरी भी गायब है। साथ ही, उसका फोन भी बंद है। माना जा रहा है कि चौधरी ने कूबड़ा के साथ सांठगांठ कर रुपयों के लालच में फार्महाउस पर जुआ अड्डा चलने दिया।

हाईकोर्ट में धार एडीएम संजीव पांडे तलब

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एमपी के डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा से जुड़े एक केस में अब धार अपर कलेक्टर संजीव केशव पांडे उलझ गए हैं। दरअसल देवड़ा नगरीय निकाय चुनाव की आचार संहिता के दौरान 12 जुलाई 2022 को रतलाम गए थे।

वहां कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने आचार संहिता में रुपए बांटने का आरोप लगाते हुए घेर लिया था। इस पर पुलिस ने कार्यकर्ता हिम्मत जैथवार को गिरफ्तार किया था। अब यही केस इंदौर हाईकोर्ट खंडपीठ में गया जहां पर पांडे से जवाब मांगा गया है।

बेवजह 5 दिन जेल में रखने का मामला-दरअसल देवड़ा के घेराव के बाद एमपी पुलिस ने जैथवार पर धारा 151 लगा दी थी और उन्हें 20 जुलाई की रात को ही गिरफ्तार कर लिया गया था।

जैथवार का आरोप है उन्होंने 21 जुलाई 2022 को ही बेल वारंट भर दिया लेकिन इसके बाद भी तत्कालीन एसीडएम पांडे ने जमानत आदेश नहीं किया और पांच दिन तक जेल में रखा। उन्हें 26 जुलाई 2022 को जेल से रिलीज किया गया था।

हाईकोर्ट ने मांगा पांडे से जवाब-हाईकोर्ट में इस मामले (इंदौर न्यूज) को लेकर रिट पिटीशन दाखिल की गई। जैथवार की ओर से अधिवक्ता नवेंदु जोशी और रोहित शर्मा ने पक्ष रखा। सभी तर्क सुनने के बाद जस्टिस संजीव कलगांवकर (एमपी न्यूज) ने अगली सुनवाई 27 अप्रैल को पेश होकर लगे आरोपों पर जवाब देने के निर्देश दिए हैं।

व्यापमं घोटाले के आरोपी जगदीश सागर की ईडी से ही 15 करोड़ की चालबाजी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● साल 2012-13 के दौरान हुए पीएमटी व्यापमं घोटाले के मुख्य आरोपी डॉ. जगदीश सागर ईडी में भी आरोपी है। उसके खिलाफ ईडी में मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज है। ईडी ने इस मामले में सगर की 2015-16 के दौरान संपत्ति अटैच की थी। इसकी तब कीमत तीन करोड़ 16 लाख आंकी गई थी। इसमें जमीन, प्लॉट के साथ ही तीन किलो 100 ग्राम सोना भी था। इसे छुड़ाने के लिए सगर ने नई चालबाजी की, जो अब कोर्ट में जाकर फेल हो गई।

सगर ने यह दिखाई चालाकी-सगर ने ईडी से अपनी संपत्ति छुड़ाने के लिए हाईकोर्ट इंदौर में केस लगाया है। इसमें पुराने केस का उदाहरण देकर कहा कि ईडी ने जो संपत्ति अटैच की है, उसकी कीमत तीन करोड़ 16 लाख आंकी गई थी। वह इस कीमत के बराबर एफडी देने के लिए तैयार है। यह एफडी रखकर उनकी संपत्ति को अटैचमेंट से मुक्त कर दिया जाए।

सोना पहले जो 88 लाख का वो अब 5 करोड़ का-चालाकी इसलिए क्योंकि जब ईडी ने सगर का तीन किलो 100 ग्राम सोना जब्त किया था तब वह मात्र 28.47 लाख रुपए प्रति किलो (28470 रुपये प्रति तोला) के भाव पर था। इसकी उस समय कीमत 88 लाख रुपए करीब थी। आज सोना 1.68 करोड़ रुपए प्रति किलो (1 लाख 68 हजार प्रति तोला) है। आज की कीमत से इस सोना करीब 5 करोड़ रुपए का होता है। यानी सगर 88 लाख की एफडी से 5 करोड़ का सोना मुक्त कराना चाहता था।

इसी तरह संपत्ति भी 15 करोड़ से ज्यादा कीमत की-सगर के नाम पर 18 संपत्तियां, सगर की पत्नी सुनीता के नाम पर दो और सगर व पत्नी के नाम पर पांच संपत्तियां हैं। इसमें भिंड में कई हेक्टेयर जमीन होने के साथ ही स्कीम 94 सेक्टर ए इंदौर पॉश एरिया में करीब चार प्लॉट हैं। इसकी कीमत ही आज 8 करोड़ से ज्यादा की है। वहीं अन्य संपत्तियों की कीमत मिलाकर कुल 15 करोड़ से ज्यादा की अचल संपत्ति होती है।

20 करोड़ की संपत्ति छुड़ाने की कवायद-इस तरह सगर (व्यापमं घोटाले का आरोपी जगदीश सागर) ने केवल तीन करोड़ 16 लाख की एफडी जमा कराने के नाम पर 20 करोड़ की संपत्ति ईडी से मुक्त कराने की चालबाजी की थी। इसमें 15 करोड़ की अचल संपत्ति और पांच करोड़ कीमत का सोना है। यह सभी ईडी के अटैचमेंट में हैं।

हाईकोर्ट में ऐसे खुल गई पोल-इस मामले में एमपी हाईकोर्ट में जब सगर और उनकी पत्नी की याचिका पर सुनवाई हुई तो ईडी ने पोल खोल दी। ईडी ने बता दिया कि इस मामले में हाईकोर्ट को अंधेरे में रखा गया है। यह केस पहले ही ट्रिब्यूनल में चल रहा है, ऐसे में अन्य जगह याचिका नहीं हो सकती है। इस पर हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता सगर दंपत्ति को फटकार लगाई, जिसके बाद उन्होंने याचिका वापस ले ली। (साभार दू सूत्र)

बिजासन टेकरी पर सरकारी कब्जे हटाए जाएं

नवरात्रि में लगता है मेला, लाखों श्रद्धालु आते हैं, शेर गुफा तक बीएसएफ ने कब्जा ली

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बिजासन माता टेकरी पर सरकारी कब्जे बढ़ते जा रहे हैं, ऐसे में आगामी नवरात्रि के दौरान यहां लगने वाला मेला लगता है, जबकि प्रतिदिन डेढ़ से दो लाख श्रद्धालु दर्शनार्थ आते हैं, जिनके लिए पार्किंग आदि की समस्या बढ़ सकती है। इसे लेकर बिजासन सांस्कृतिक चेतना सेवा समिति ने ज्ञापन दिया है। समिति के अध्यक्ष भूपेन्द्र पोतदार ने बताया कि बिजासन माता मंदिर परिसर इंदौर की कुलदेवी और नौ देवियों का एकमात्र स्वयंभू स्थान है। कुछ साल पहले तक यह मंदिर 21 एकड़ का था, जो अब घटकर केवल 2 एकड़ में रह गया है। सरकार ने टेकरी का बड़ा हिस्सा जहां बीएसएफ और वन विभाग को दे दिया, वहीं एयरपोर्ट विस्तार में भी टेकरी की जमीन गई है। बीएसएफ प्रबंधन ने कई एकड़ पर कब्जा कर लिया। पोत्दार के अनुसार टेकरी के पीछे गुफा थी. जिसे शेर गफा कहतेथे।

काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया जाएगा-बीएसएफ ने इसे भी कब्जा लिया है। यहां नवरात्रि में प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु रोज दर्शनार्थ आते हैं, और मेला भी लगता है। अब 2 एकड़ में कहां तो मेला लगेगा और कहां श्रद्धालुओं के वाहन पार्क होंगे। बिजासन सासंकतिक चेतना सेवा समिति ने प्रशासन को ज्ञापन देकर इस स्थान को बिजासन लोक में परिवर्तित कर कब्जा मुक्त करने की मांग की है। कब्जे को विरोधस्वरूप समिति सदस्य और श्रद्धालुओं द्वारा आगामी रविवार 15 मार्च को प्रात: 7 बजे होने वाली आरती के पश्चात व भंडारा के पूर्व 8 बजे काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया जाएगा।

प्रदेश में दूध बेचने वालों के लिए लाइसेंस जरूरी : मिलावट रोकने के लिए बड़ा कदम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार अब दूध की शुद्धता को लेकर 'एक्शन मोड' में आ गई है। प्रदेश में अब डेयरी सहकारी समितियों को छोड़कर बाकी सभी दूध उत्पादकों और विक्रेताओं को सरकारी लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। सरकार का मानना है कि इस कदम से न सिर्फ दूध की क्वालिटी सुधरेगी, बल्कि मिलावट करने वाले 'सफेदपोशों' पर भी लगाम लगेगी।

अब गली-मोहल्ले में दूध बेचने वाले हों या बड़े दूध उत्पादक, सबको अपना रजिस्ट्रेशन कराना ही होगा। इसके बिना कारोबार करना अब गैर-कानूनी माना जाएगा। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि अब दूध ढोने वाली गाड़ियों और बर्तनों की भी बारीकी से जांच की जाएगी।

आपको जानकर हैरानी होगी कि हमारा मध्यप्रदेश देश के टॉप दूध उत्पादक राज्यों में शामिल है। भारत के कुल दूध उत्पादन का लगभग 9 प्रतिशत हिस्सा अकेले एमपी से आता है। आंकड़ों की बात करें तो यहां सालाना करीब 213 लाख टन दूध पैदा होता है। मुख्यमंत्री का लक्ष्य इस आंकड़े को 9% से बढ़ाकर सीधे 20% तक ले जाने का है। इसी विजन को पूरा करने के लिए सरकार ने नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ हाथ मिलाया है। प्रदेश में 'सांची' जैसे बड़े ब्रांड के साथ-साथ अब ग्रामीण इलाकों में 381 नई सहकारी समितियां भी काम कर रही हैं।

सरकार सिर्फ नियम ही नहीं बना रही, बल्कि किसानों की जेब भरने का भी इंतजाम कर रही है। डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना के तहत अगर आप 25 गायों की एक यूनिट लगाते हैं, तो सरकार आपको 10 लाख रुपए तक की प्रोत्साहन राशि देगी। यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि लोग वैज्ञानिक तरीके से दूध का उत्पादन करें और प्रदेश की आर्थिक स्थिति मजबूत हो। वर्तमान में मध्यप्रदेश में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता लगभग 700 ग्राम प्रतिदिन है, जो काफी अच्छी मानी जाती है। इसमें सबसे बड़ा योगदान भैंस के दूध का है, जो कुल उत्पादन का 48% है।

केंद्र सरकार की सख्त एडवाइजरी

सिर्फ राज्य ही नहीं, बल्कि दिल्ली से भी आदेश आ चुका है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने साफ कहा है कि जो लोग बिना रजिस्ट्रेशन के दूध का बिजनेस कर रहे हैं, वे कानून तोड़ रहे हैं। अब हर महीने की 15 और 30 तारीख को सरकार को दूध की शुद्धता और लाइसेंस की रिपोर्ट भेजनी होगी। कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने जिलों में विशेष अभियान चलाएं। जो दूध विक्रेता अब तक सिस्टम से बाहर थे, उन्हें अब दायरे में लाया जाएगा। परिवहन में इस्तेमाल होने वाले टैंकरों और स्टोरेज मशीनों की हाइजीन चेक की जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।